बालाघाट
शुक्रवार 03 जुलाई 2026
आषाढ कृष्ण 03 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 279
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स - 77,502.12
निफ्टी - 24,175.70
सोना - 1,52,044
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 95.52

खास खबर

5 से अनिश्चित कालीन अनशन पर बैठेंगे अन्ना हजारे

मुंबई। वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा 12 जून 2026 को लागू की गई सूचना का अधिकार नियमावली को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर 5 जुलाई 2026 से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने का ऐलान किया है। अन्ना हजारे का कहना है कि सरकार की नई नियमावली सूचना के अधिकार कानून को कमजोर करती है और आम नागरिक के सूचना प्राप्त करने के मूल अधिकार पर आघात है। उनका आरोप है कि सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस या सकारात्मक जवाब नहीं मिला है, इसलिए उन्होंने अपने अनशन के फैसले पर कायम रहने का फैसला लिया है। अन्ना की उम्र 90 साल होने के कारण रालेगण सिद्धि के ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई है।

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में नया अध्याय, पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' की लॉन्चिंग है खास

नई दिल्ली । भारत जल्द ही अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचने जा रहा है। देश की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस अपना पहला ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च करने की तैयारी में है। लगभग सात मंजिला ऊंचे इस रॉकेट का प्रक्षेपण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 12 जुलाई से 4 अगस्त के बीच तय लॉन्च विंडो में किया जाएगा। यदि यह मिशन सफल रहता है, तो यह भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल रॉकेट होगा, जो उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर फैसला 2-3 महीनों में

नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम होंगी या नहीं, इस पर फैसला अगले दो-तीन महीनों में ही लिया जा सकता है। अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान जंग के समय जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे थे, तब भारतीय तेल कंपनियों ने महंगे दामों पर कच्चा तेल खरीदा। रिफाइनरियां अभी उसी महंगे स्टॉक को प्रोसेस कर रही हैं।

लागत से कम दाम पर ईंधन बेचने की वजह से देश की सरकारी तेल कंपनियों को 30 जून तक 74,781 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते के बाद ब्रेन्ट क्रूड ऑयल की कीमतें नीचे आने लगी हैं।

कुछ ना कहना

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बड़ा खुलासा..

बिना जांच-पड़ताल के रखे गए कर्मचारी, रोज गायब होते थे डेढ़-दो लाख

आरोपियों के घरों पर चलेगा बुलडोजर!

पाई-पाई का होगा हिसाब, एसआईटी करेगी पिछले 5 साल के वित्तीय लेनदेन की जांच

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में एक और खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर ट्रस्ट में बिना जांच पड़ताल के लोगों को काम पर रख लिया जाता था। प्राइवेट एजेंसी के जरिये जब थर्ड पार्टी हायरिंग हुई, उसके बाद भी कोई वेरिफिकेशन नहीं हुई। वहीं जांच में यह भी तथ्य सामने आया है कि मंदिर से रोजाना डेढ़-दो लाख रूपए गायब होते थे। वहीं सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन ने चढ़ावा चोरी के आरोपियों के नए घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने ऐसे घरों की पहचान कर ली है, जिनका नक्शा पास नहीं है या जिन्होंने नियम तोड़े। उन आरोपियों के घर रडार पर हैं, जो उन्होंने मंदिर में नौकरी के बाद बनवाए। आरोपी लवकुश मिश्रा का शहादतगंज में बन रहा मकान और अनुकल्प मिश्रा का कौशल पुरी स्थित मकान पर बुलडोजर चल सकता है।

अयोध्या पुलिस सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर पहुंची। करीब दो घंटे तक जांच की। जिस कमरे में चढ़ावे की गिनती होती है, उसे देखा। अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में ढील की कोई गुंजाइश नहीं है। एसआईटी परत-दर-परत इसकी तहकीकात कर रही है। इस मामले में पाई पाई का हिसाब होगा। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर मिली खामियों को देखते हुए एसआईटी अब ट्रस्ट के पांच साल के ऑडिट की जांच करेगी। हर वित्तीय लेनदेन की बारीकी से तफ्तीश की जाएगी। एसआईटी को कुछ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। जांच की जद में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आ सकते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्यों की भी जांच होगी। एसआईटी अब 15 जुलाई को सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर एफआईआर की मांग कर नारेबाजी की। सिविल लाइन चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी।

ट्रस्टी बोले- गलती गोपाल राव की

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पूरी गलती गोपाल राव की है। वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य थे। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं।

अब एंट्री के साथ एग्जिट पर भी तलाशी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में एक और बड़ा बदलाव लागू कर दिया है। अब मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के जवानों और अन्य अधिकृत कर्मियों की प्रवेश के साथ-साथ निकास के समय भी अनिवार्य रूप से तलाशी ली जाएगी। अब तक मंदिर परिसर में प्रवेश के दौरान कर्मचारियों की पहचान बायोमीट्रिक और फेस रीडिंग के जरिए की जाती थी, लेकिन ड्यूटी पूरी होने के बाद बाहर निकलते समय नियमित तलाशी की व्यवस्था नहीं थी।

कर्मचारी-सुरक्षा कर्मी या अधिकृत व्यक्ति की भी तलाशी

परिचित होने के कारण कई कर्मचारियों के साथ सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाती थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी कथित तौर पर चढ़ावे की धनराशि बाहर ले जाने में सफल रहे। चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया कि अब किसी भी कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी या अधिकृत व्यक्ति को बिना तलाशी के मंदिर परिसर से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। इसके लिए प्रवेश और निकास दोनों स्थानों पर सुरक्षा जांच को और अधिक सख्त कर दिया गया है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर हर रोज चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इससे ये पता चल रहा है कि कैसे भगवान राम के नाम पर करोड़ों लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ हो रहा था। इस पूरे मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी सलाखों के पीछे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा बयान-

एआई को बताया विनाशकारी जहर, कहा- न्याय प्रणाली में हर स्तर पर इंसानी दिमाग जरूरी

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने एआई के बढ़ते दुरुपयोग पर बेहद गंभीर रुख अपनाया है। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई दौरान अलर्ट जारी करते हुए कहा कि एआई का गलत प्रयोग तकनीकी उपकरणों पर वकीलों और प्रोफेशनल्स की अत्यधिक निर्भरता बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसी के साथ कोर्ट ने साफ किया है कि न्याय की प्रक्रिया में हर मोड़ पर मानवीय समझ और नियंत्रण का होना जरुरी है।

फर्जी एआई कंटेंट के आधार पर आया था फैसला

जानकारी के लिए बता दें कि यह पूरा मामला एनसीएलटी के एक फैसले से जुड़ा है, जो एस्सेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स की दिवालियापन प्रक्रिया को लेकर था। इस मामले में कोर्ट में एआई के जरिए फेक उदाहरण पेश किए गए, जो असल में कभी हुए ही नहीं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी के कारण न्याय की प्रामाणिकता से समझौता नहीं किया जा सकता।

भोपाल गैस त्रासदी की जहरीली गैस से की तुलना

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एआई से बनाई गई फेक सामग्री की तुलना विनाशकारी और जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट से की है, जिसके कारण भोपाल गैस त्रासदी हुई थी) से कर दी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा

कानूनी बहसों में एआई द्वारा तैयार किए गए फर्जी, काल्पनिक और झूठे उदाहरणों का इस्तेमाल करना न्याय के क्षेत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस छोड़ने जैसा है। यह एक ऐसा अदृश्य और कपटी खतरा है, जो न्याय प्रणाली को भीतर से खोखला कर देता है। जब तक कोई इस धोखे को पकड़ पाता है, तब तक यह न केवल पूरी न्यायिक प्रक्रिया को दूषित कर चुका होता है, बल्कि अदालती फैसले की आत्मा को भी नष्ट कर देता है।

ग्रेनाइट खदान में मप्र के 5 मजदूरों की मौत

कर्नाटक के सीएम ने घटना की जांच के निर्देश दिए, 10-10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान

बैंगलुरू/भोपाल। कर्नाटक के बेंगलुरु के मदापट्टना स्थित एक ग्रेनाइट खदान में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। खदान के ऊपरी हिस्से से एक विशाल ग्रेनाइट चट्टान नीचे काम कर रहे मजदूरों पर आ गिरी। हादसे में मध्य प्रदेश के पांच मजदूरों समेत सात प्रवासी श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। चार मजदूर सुरक्षित बच निकले। मृतकों में एक छत्तीसगढ़ और एक कर्नाटक के यादगीर जिले का रहने वाला था। पुलिस ने शुरुआती जांच में इसे स्पष्ट रूप से लापरवाही का मामला बताया है। खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायलों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमति जताई है।

सेंट्रल रेंज के डीआईजी एस. गिरीश ने बताया कि खदान में दो क्रेशर संचालित हो रहे थे। एक ऊपर और दूसरा नीचे था। दोनों जगह काम चल रहा था और करीब 16 मजदूर ड्यूटी पर थे। ऊपर ड्रिलिंग मशीन से काम किया जा रहा था, तभी एक भारी ग्रेनाइट चट्टान फिसलकर नीचे आ गिरी और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हादसा गंभीर लापरवाही का परिणाम है।

राजा रघुवंशी प्रकरण : मेघालय सरकार ने प्रतिभूति को उच्चतम न्यायालय में दी चुनौती

मेघालय। इंदौर के बहुचर्चित परिवहन व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या के प्रकरण में मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मेघालय हाईकोर्ट के उस निर्णय को चुनौती दी है, जिसमें सोनम रघुवंशी को मिली प्रतिभूति को वैध ठहराया गया था। सोनम पर मई 2025 में अपने पति राजा रघुवंशी की नवविवाह यात्रा के दौरान हत्या का मुख्य अभियुक्त होने का आरोप है। महाधिवक्ता तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली न्यायपीठ के समक्ष राज्य की याचिका का उल्लेख कर शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की मांग की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सोनम रघुवंशी को प्रतिभूति केवल इस आधार पर दी गई कि गिरफ्तारी के समय उस गिरफ्तारी के सभी कारण पूरी तरह से नहीं बताए गए थे। मेहता ने कहा कि दस्तावेज़ में कानूनी धारा की संख्या टंकण करने में मात्र एक त्रुटि हुई थी। उनके अनुसार, इतनी छोटी प्रक्रियागत गलती के आधार पर प्रतिभूति नहीं मिलनी चाहिए, क्योंकि इससे सोनम के फरार होने की आशंका है, अत: प्रकरण की तत्काल सुनवाई जरुरी है। इसके पूर्व, मेघालय उच्च न्यायालय ने 29 जून को शिलॉन्ग अदालत के उस आदेश को बनाए रखा था, जिसमें सोनम को प्रतिभूति प्रदान की गई थी। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की अपील को अस्वीकार किया था। न्यायमूर्ति डब्ल्यू. डिएंगडोह की एकल न्यायपीठ ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र दंडाधिकारी, शिलॉन्ग के अप्रैल 2026 के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका को अस्वीकार किया था।

व्हाट्सऐप के बाद अब टेलीग्राम पर भी सरकार सख्त, यूज़रनेम फीचर को लेकर भेजा नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन धोखाधड़ी और फर्जी पहचान के बढ़ते खतरे को देखते हुए व्हाट्सऐप के बाद अब टेलीग्राम को भी उसके यूज़रनेम फीचर को लेकर नोटिस जारी किया है। सरकार ने टेलीग्राम से पूछा है कि उसका यूज़रनेम सिस्टम किस तरह काम करता है और इससे साइबर अपराध, फर्जी पहचान तथा सरकारी संस्थानों या बैंकों की नकल करने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार की मुख्य चिंता यह है कि यूज़रनेम आधारित व्यवस्था में साइबर अपराधी बिना मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए बैंक, सरकारी विभाग, सार्वजनिक हस्तियों या प्रतिष्ठित संस्थानों से मिलते-जुलते नाम बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना सकते हैं। इसी कारण सरकार ने पहले व्हाट्सऐप से भी भारत में यूज़रनेम फीचर का रोलआउट फिलहाल रोकने और विस्तृत जवाब देने को कहा था।

एनडीए का अभियान 360 : अब डीएमके, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और सपा में सेंध की तैयारी

मानसून सत्र बड़े बिल पास करने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष रणनीतिकार देश की सियासी तस्वीर बदलने के लिए 'अभियान 360' में जुट गए हैं। 17 अप्रैल को महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े विधेयक पर लोकसभा में झटका लगने के बाद बीजेपी ने संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की रणनीति तेज की थी। पार्टी का ध्यान केवल इस विधेयक तक सीमित नहीं बल्कि 'एक देश-एक चुनाव' और न्यायिक सुधारों जैसे बड़े संवैधानिक परिवर्तनों के लिए आवश्यक 'प्रबल बहुमत' पाने पर है।

इसके लिए बीजेपी विपक्षी दलों में टूट, नए सहयोगियों को जोड़ने और जरूरत पड़ने पर मतदान के समय विपक्ष की अनुपस्थिति जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है। इस संसद के मानसून सत्र तक पूरा करने का लक्ष्य है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के अलग होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को समर्थन करने और शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद अटकल को और बल मिल गया है। हालांकि, इस जोड़तोड़ के बावजूद दो-तिहाई बहुमत के लिए 41 और सांसदों की जरूरत है।

इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की निगाह अब समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) जैसे दलों पर है। महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि शरद पवार के 8 सांसदों में उनकी बेटी सुप्रिया सुले के अलावा बाकी 7 बीजेपी के साथ हैं। हालांकि, सरकार विधेयकों के संबंध में सभी दलों से बात कर रही है।

केंद्र का मुख्य ध्यान मतदान में 61 विपक्षी सांसदों की अनुपस्थिति सुनिश्चित करना है। पहला विकल्प यह है कि विपक्ष के 41 सांसद टूट, विलय या समर्थन के जरिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हों या अलग गुट बनाकर सरकार का समर्थन करें। दूसरा विकल्प यह है कि विपक्ष के सांसद अनुपस्थित रहें। ऐसा करने से संसद में प्रभावी सदस्य संख्या घट जाएगी। फिर दो-तिहाई आंकड़ा 319 पर आ जाएगा। इसके लिए समाजवादी पार्टी (37), द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (22), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद गुट (8) और तृणमूल कांग्रेस (8) यानी कुल 75 सांसदों में से 61 को अनुपस्थित कराना होगा।

मां ने पीसीएस अफसर बेटी पर एफआईआर कराई, कहा

काली कमाई के 15 लाख मेरे खाते में डाले

सहारनपुर। सहारनपुर में महिला पीसीएसअफसर के खिलाफ उनकी मां ने एफआईआर कराई है। मां मुनेश रानी की तहरीर पर सरसावा थाने में बेटी समेत 5 के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एलाइड पीसीएसअफसर सीमा चौधरी (34) फिलहाल हापुड़ में जिला पूर्ति अधिकारी के पद पर तैनात हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी की मां का आरोप है कि बेटी सीमा, संजीव कुमार चौधरी, राजेंद्र राणा, गंभीर और नरेश कुमार ने मिलकर उनकी जमीन पर कब्जा करने की साजिश रची। बेटी ने अपनी काली कमाई छिपाने के लिए बिना अनुमति मेरा बैंक अकाउंट खुलवाया। खाते में 15 लाख रुपए डलवाए। पता चलने पर विरोध किया तो जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दतिया में 30 जुलाई को मतदान; 3 अगस्त को परिणाम

मप्र, बिहार और गुजरात की 3 सीट पर उपचुनाव का ऐलान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने मध्य प्रदेश, बिहार और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है, जिसके तहत 30 जुलाई को मतदान कराया जाएगा और 3 अगस्त को वोटों की गिनती की जाएगी। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एक मामले में दो वर्ष से अधिक की सजा मिलने के बाद उनकी सदस्यता स्वत: समाप्त हो जाने के कारण यह उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग आगामी 6 जुलाई को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा, जिसके बाद नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी और संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को 4 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, उपचुनावों के लिए गजट अधिसूचना 6 जुलाई को सोमवार के दिन जारी की जाएगी। इसके बाद नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और नामांकन दाखिल करने की लास्ट डेट 13 जुलाई निर्धारित है। इसके बाद 14 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 16 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे, जिसके बाद उम्मीदवारों की अंतिम स्थिति साफ हो जाएगी। तीनों सीटों के नतीजे 3 अगस्त को घोषित किए जाएंगे। मतदान और काउंटिंग के बाद पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 4 अगस्त तक संपन्न करा ली जाएगी। आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, बिहार की 182-बांकीपुर सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण खाली हुई थी। वहीं, मध्य प्रदेश की 22-दतिया सीट से विधायक राजेंद्र भारती को अयोग्य घोषित किए जाने (डिस्क्वालिफिकेशन) के चलते यहां दोबारा चुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा गुजरात की 145-मांजलपुर सीट पर विधायक योगेशभाई नारायणदास पटेल के दुखद निधन के बाद ये सीट खाली हुई है।

दतिया में होगा दिलचस्प मुकाबला

इस बार दतिया विधानसभा सीट पर होने वाला ये मुकाबला बेहद दिलचस्प और हाई-प्रोफाइल होने की उम्मीद है। बीजेपी की ओर से मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को इस उपचुनाव के लिए सबसे मजबूत और संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। गौरतलब है कि नरोत्तम मिश्रा पिछले मुख्य विधानसभा चुनाव में इसी सीट से कांग्रेस के राजेंद्र भारती से चुनाव हार गए थे।

चुनाव आयोग पहुंचा ममता विरोधी गुट, आयुक्त से मिलकर की मांग

हम असली टीएमसी, सिंबल हमें दें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता ऋब्रत बनर्जी ने टीएमसी के 10 विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल साथ गुरुवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। यह मुलाकात पार्टी निधि के स्वामित्व को लेकर थी। प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की। चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद ऋब्रत बनर्जी ने कहा कि जून महीने की 22 तारीख को कोलकाता में हमारा एक प्रतिनिधि सत्र आयोजित हुआ जिसके आधार पर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस को चुना गया और अरूप राय को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (बागी गुट) का चेयरपर्सन चुना गया। जैसे ही हमारी ये विशेष बैठक हुई हमने चुनाव आयोग से 23 तारीख को मिलने के लिए समय मांगा। ऋब्रत बनर्जी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से निवेदन किया था कि वे जितने भी सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल को अनुमति देंगे, हम यहां आकर पूरी बेंच से मुलाकात करेंगे। हम चुनाव आयोग को धन्यवाद देना चाहते हैं कि चुनाव आयोग की पूरी बेंच ने हमसे मुलाकात की। हम उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग जल्द ही हमसे संपर्क करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हम ही ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस हैं। दो तिहाई से भी ज्यादा विधायक, जिला परिषद के सदस्य, पार्षद आदि सभी हमारे साथ है। ऐसे में मांग की कोई बात ही नहीं है। जब भी पार्टी में इस तरह का सत्र होता है तो चुनाव आयोग को इसके बारे में तुरंत सूचित किया जाना चाहिए।

फिर सरकारी दावों की खुली पोल

तालाब का पानी लाने को मजबूर ग्राम मोहनपुर के लोग

1 वर्ष पूर्व पूर्ण हुई नलजल योजना ठप, महज 15 दिन ग्रामीणों को मिला पानी, 2000 को संख्या वाली पंचायत में पानी की टंकिया बनी शोपीस, परेशान ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश को आजाद हुए 80 वर्ष बीत गए है, बावजूद इसके भी जिले के कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां शासन प्रशासन द्वारा अब तक पीने के पानी तक का इंतजाम नहीं किए गए हैं,जिसके चलते वनांचल क्षेत्रो में रहने वाले लोग आज भी इस आधुनिक दौर में तालाब का पानी लाने के लिए मजबूर हैं।आजादी के कई दशक बीतने के बावजूद भी सभी गांवों में अबतक नलजल योजना का लाभ नही मिल पा रहा है।तालाब से पानी लाने का ताजा मामला जिला मुख्यालय से महज 40 किलोमीटर दूर सोनवानी स्थित मोहनपुर पंचायत से सामने आया है।जहां दिखावे के लिए नलजल योजना तो है, लेकिन इसका लाभ ग्रामीणों को नही मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत मोहनपुर में नल-जल योजना सरकारी कागजो में तो पूरी हो चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक अधूरी है।जहा योजना के तहत लाखों की लागत से लगाई गई प्लास्टिक की टंकियां पिछले एक साल से सिर्फ शोपीस बनकर रह गई हैं।धार पानी की बूंद-बूंद को तरसते ग्राम के 16 वार्डों के ग्रामीण अब इस भीषण समस्या को लेकर आक्रोशित हैं वही लोग तालाब से पानी लाने के लिए मजबूर हैं इस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानिय ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्राम मोहनपुर में पेयजल के इंतजाम किए जाने की मांग की है।

सरकारी दावों की पोल खोल रही मोहनपुर की तस्वीर

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा प्रत्येक गांव में घर-घर नल का जल पहुंचने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर कई ग्रामीण और वनांचलों में यह योजना महज सरकारी कागजो तक ही सीमित है। कुछ गांव में नल जल योजना पहुंच चुकी है, तो कुछ गांव में अब तक नहीं पहुंची है।कुछ गांवों में नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कराकर घर घर तक पाइपलाइन तो बिछा दी गई है,लेकिन योजना के तहत नल में जल नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते लोग पीने के पानी को लेकर काफी परेशान है।ग्राम पंचायत मोहनपुर से सामने आई यह तस्वीर शासन-प्रशासन के इन्हीं दावो की पोल खोलते नजर आ रही है।

महज 15 दिन मिला नल से जल,उसके बाद से ठप पड़ी है योजना

करीब 2000 से अधिक की आबादी वाली इस बड़ी पंचायत के ग्रामीण आज भी शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं।जब पानी की टंकिया बनाई जा रही थी और नलों के कनेक्शन घरो में दिए जा रहे थे तब ग्रामीण बेहद खुश थे कि अब उन्हें दो वक्त शुद्ध पीने का पानी मिलेगा लेकिन यह खुशी सिर्फ चंद दिन की ही थी क्योंकि ग्रामीण बताते है नलों से पानी महज 15 दिन ही आया उसके बाद से नलों में पानी नहीं आ रहा है।पानी की किल्लत का सबसे भयावह रूप एक विशेष वार्ड में देखने को मिला है, जहां ग्रामीण उसी तालाब के पानी से नहाने और कपड़े धोने को मजबूर हैं, जिसमें मवेशी भी नहाते हैं।

ग्रामीणों में चर्म रोग बढ़ने की कही जा रही बात, खाज खुजली से परेशान हो रहे लोग

बताया गया कि तालाब का दूषित पानी का उपयोग करने से कई ग्रामीण चर्म रोग का शिकार हो रहे हैं।लोगो मे खाज खुजली की समस्या देखी जा रही है।कई बार शिकायत करने पर भी कही कोई सुनवाई नही हो रही है।जिससे ग्रामीण काफी नाराज है।

साल भर पहले पूरी हुई है नल जल योजना,हुई क्षतिग्रस्त

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में लगभग आधा दर्जन पानी की टंकियां एक साल पहले ही बनकर तैयार हो चुकी हैं।लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और ठेकेदार की उदासीनता के चलते इनमें आज तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है।इतना ही नहीं घरों तक किया गया नल कनेक्शन की पाइप लाइन भी कई जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है तो वही घरों में लगे नल भी टूट चुके है और अब नल-जल योजना के शोपीस बन जाने के कारण ग्रामीणों के पास अब कुएं और पुराने हैंडपंप ही एकमात्र सहारा बचे हैं।वही निस्तार के लिए ग्रामीण तालाब पर निर्भर है।ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द योजना को चालू करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

तालाब से पानी लाकर कर रहे निस्तार- विजय कटरे

ग्रामीण विजय कटरे, ने बताया कि यहां नल जल योजना करीब 1 वर्षों से बंद पड़ी है, 15 दिनें तक पानी मिला था उसके बाद पानी नहीं मिला।योजना की पाइपलाइन भी जगह-जगह से टूट गई है इसीलिए तालाब से पानी लाकर निस्तार करना पड़ता है।नल जल योजना की पाइपलाइन टूट गई है नलों की भी टोटियां टूट फूट हो चुकी है।सरपंच सचिव ने जब योजना आकार देखे थे तो तीन-चार दिनों तक अच्छी तरह से पानी आया, उसके बाद फिर से बंद हो गया।

ग्रामीणों को चर्म रोग संबंधीत हो रही बीमारी- प्रमिला

वहीं ग्रामीण प्रमिलाबाई ने बताया कि हम लोग तालाब से पानी लाते हैं,, उसी से नहाते हैं लेकिन दूषित पानी होने के चलते शरीर में खाज खुजली हो रही है जिससे फोड़े फुंसी होकर लोग बीमार पड़ रहे हैं,लोगो मे चर्म रोग का खतरा बढ़ रहा है। हमारी मांग है कि यहां नल जल की सुविधा मिलनी चाहिए।

पहले महज 4 बाल्टी मिलता था पानी-मालन कटरे

वहीं ग्रामीण महिला मालन कटरे, ने बताया कि कुआं पूरी तरह से अट चुका है, मोटर से भी गंदा पानी आता है जिसे छानकर पीना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नल जल योजना के तहत उनके घर में महज 4 बाल्टी पानी आता था, वह भी काफी सहारा होता था लेकिन लंबे समय से नल जल योजना बंद पड़ी है नल की टोटियां टूट चुकी है पाइपलाइन भी जगह-जगह से टूट फूट हो गई है, पानी की टंकी बनाई हैं लेकिन उसका भी लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है।

सिर्फ 15 दिन मिला पानी- सकूलाल कुम्भरे

ग्रामीण सकूलाल कुम्भरे ने बताया कि गांव में करीब 1 वर्ष पूर्व नल जल योजना पूर्ण हुई थी जिसके तहत 15 दिनों तक ही पानी मिला, उसके बाद योजना बंद हो गई,जो आज तक बंद है। योजना के तहत घर-घर बिछाई गई पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। नलकी भी खराब हो चुकी है इसीलिए ग्रामीण दूर दूर जाकर हैंडपंप से पीने का पानी लाने के लिए मजबूर है । कभी-कभी उन हैंडपंप में भी लाल पानी आने लगता है। निस्तार के लिए भी कोई हैंडपंप से तो कोई तालाब से जाकर पानी लाता है। जब नल जल योजना पूरी हुई थी तब अधिकारी लोग आए थे सरपंच सचिव के सामने नल जल योजना की शुरुआत की गई थी तब भरपूर पानी आ रहा था लेकिन 15 दिनों के बाद पानी आना बंद हो गया।

ठेकेदार अधिकारी, योजना हैंड ओवर लेने का बना रहे दबाव -सुंदरलाल पंद्रे

ग्राम पंचायत सरपंच सुंदरलाल पंद्रे ने बताया कि मोहनपुर के अंतर्गत 16 वार्ड आते हैं। हमारे गांव में नल जल योजना की स्थिति खराब है लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है,,लोग नदी नाले से पानी लाकर उसका उपयोग कर रहे हैं।शासन की योजना यहां पूरी तरह से फेल हो चुकी है, जो टंकी बनाई गई थी, वह सिर्फ शो पीस बनी हुई है ।करीब 2000 ऊपर आबादी वाले इस गांव में लोग तालाब तो कभी झिरिया से पानी लाने के लिए मजबूर है शुरू-शुरू में पाइप लाइन से पानी दिया गया था लेकिन बाद में योजना ही बंद पड़ गई।अब ठेकेदार और अधिकारी लोग इस योजना को हैंड ओवर लेने का दबाव बना रहे हैं,जब योजना शुरू ही नहीं है तो पंचायत उसे अपने हैंडओवर कैसे करेगी। इसीलिए पंचायत द्वारा अब तक इस योजना को लिया गया है।

चार वर्षों से फरार स्थायी वारंटी भरवेली पुलिस के हत्थे चढ़ा, महाराष्ट्र से गिरफ्तारी कर 4 स्थायी व 1 गिरफ्तारी वारंट किए तामील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन में जिलेभर में फरार स्थायी वारंटियों एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भरवेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना भरवेली पुलिस ने करीब चार वर्षों से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध जारी चार स्थायी वारंट एवं एक गिरफ्तारी वारंट तामील किए हैं। गिरफ्तार स्थाई

वारंटी बिसराम पिता समरत दमाहे 50 वर्ष ग्राम जागपुर थानां भरवेली निवासी को जिला जेल भिजवा दिया गया है

भरवेली पुलिस के मुताबिक पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भरवेली निरीक्षक भूपेंद्र सिंह पंद्रो के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को न्यायालय से जारी लंबित स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामील की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी बिसराम दमाहे पिता समरत दमाहे 50 वर्ष ग्राम जागपुर थाना भरवेली निवासी की तलाश शुरू की। लगातार तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से पुलिस को सूचना मिली कि यह स्थाई वारंटी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के ग्राम कुड़वा में मौजूद है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 1 जुलाई 2026 को दबिश देकर बिसराम दमाहे को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध माननीय न्यायालय बालाघाट द्वारा एनआईए प्रकरण क्रमांक 28/2018, 110/2019, 202/2021 एवं 51/2022 में चार स्थायी वारंट तथा प्रकरण क्रमांक 252/2021 में एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध जारी सभी चार स्थायी वारंट एवं एक गिरफ्तारी वारंट विधिवत तामील किए गए। गिरफ्तार इस स्थाई वारंटी बिसराम दमाहे को बालाघाट की न्यायालय में पेश कर दिए जहां से उसे जिला जेल भिजवा दिया गया है। वारंटी बिसराम दमाहे के विरुद्ध कोतवाली बालाघाट में तीन वारंट भी है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भरवेली निरीक्षक भूपेंद्र सिंह पंद्रो, सहायक उपनिरीक्षक मुकेश पुरी, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम, आरक्षक मनीष सिंगरे, राहुल सलामे, निलेश सिंह ठाकुर, महिला आरक्षक डोमेश्वरी बनोटे, महिला आरक्षक अनीता मनघटे सहित साइबर सेल बालाघाट के प्रभारी उपनिरीक्षक तौसिफ अली, महिला आरक्षक शिखा मिसारे, आरक्षक अजय नामदेव एवं आरक्षक तिलक अड्से आरक्षक प्रदीप पुट्टे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार आरोपियों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि न्यायालय से लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

अब कांग्रेस में अनुशासनहीनता पर होगी वैधानिक कार्यवाही

अनुशासन समिति का गठन कर, सौपी गई जिम्मेदारी, समिति करेंगी अनुशासनहीनता की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते कुछ दिनों से जिला कांग्रेस कमेटी में अनुशासनहीनता के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अनुशासन समिति का गठन किया गया है।जिसके पदाधिकारी व सदस्य मामले की जांच करके यह तय करेंगे कि किसी पदाधिकारी व सदस्य ने किसी प्रकार के अनुशासनहीनता की है या नहीं। जिनकी जांच के बाद संबंधित की रिपोर्ट जिला संगठन को सौंपी जाएगी और जिला संगठन द्वारा मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि यदि इस समिति द्वारा की गई जांच में कहीं पर भी अनुशासनहीनता पाई जाती है तो फिर संबंधित पदाधिकारी सदस्य को पार्टी से बाहर का रास्ता भी दिखाया जा सकता है। जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी ब्लॉक से एक-एक सदस्य की नियुक्ति अनुशासन समिति में की गई है जिसके नाम की घोषणा भी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कर दी गई है।कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष संजय उइके के द्वारा 1 जुलाई की देर शाम जारी कि गई इस अनुशासन समिति लिस्ट में, इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि संगठन के सुचारु संचालन, अनुशासन की स्थापना एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संविधान तथा संगठनात्मक दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी, बालाघाट में जिला कांग्रेस अनुशासन समिति का गठन किया गया है जिसका कार्य तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

जिले में इन्हें सौपी गई अनुशासन की कमान, अनुशासनहीनता पर करेंगे जांच

जिला कांग्रेस अनुशासन कमेटी में द्वारा बनाई गई इस नई समिति में अनुशासन की कमान जेसराज पारधी, के हाथों में सौपी गई है।जिन्हें समिति का अध्यक्ष बनाया गया है वही शाहिद खान, माखनलाल पंवार, ज्ञानू शर्मा, प्रमोद अग्रवाल, जीवनलाल डोहरे, दीपचंद ठाकरे, और श्रीमती संदेश सैय्याम को सदस्य नियुक्त कर अनुशासन समिति का गठन किया गया है।बताया गया कि यह समिति संगठन में अनुशासन बनाए रखने, प्राप्त शिकायतों एवं अनुशासनहीनता से संबंधित मामलों का परीक्षण करने, संगठन के संविधान एवं निर्देशों के अनुरूप अपनी अनुशंसा कर, सम्बंधित की रिपोर्ट अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करेगी।जिसके उपरांत सम्बधित पर कार्यवाही को लेकर जिला कमेटी द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके द्वारा, बनाई गई इस अनुशासन समिति की घोषणा करते हुए, सभी पदाधिकारियों सदस्यों से निष्पक्षता, संगठनात्मक मर्यादा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने,एंव संगठन को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की

बेसमेंट हादसे के बाद प्रशासन सख्त, नगर पालिका ने जारी किए दो नोटिस, एसडीएम ने बैठाई जांच

दीवार गिरने से तीन मजदूर हुए थे घायल, एक की हालत अब भी गंभीर, शहर के जर्जर भवनों का भी शुरू हुआ सर्वे, बेसमेंट निर्माण की अनुमति और सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-22 स्थित पुराने राम मंदिर गली में बुधवार शाम हुए दर्दनाक हादसे के बाद जिला प्रशासन और नगर पालिका पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। निर्माणाधीन व्यवसायिक एवं आवासीय भवन के बेसमेंट की खुदाई के दौरान समीप स्थित एक कच्चे मकान की दीवार भरभराकर गिर गई थी, जिसके मलबे में तीन मजदूर दब गए थे। स्थानीय लोगों, पुलिस और प्रशासन की तत्परता से तीनों मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल मजदूर मानिक की हालत अब भी चिंताजनक बनी हुई है। उसका उपचार महाराष्ट्र के गोंदिया स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना के दूसरे ही दिन गुरुवार को नगर पालिका ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण से जुड़े आर्किटेक्ट और भवन स्वामी को अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, जबकि एसडीएम ने भी पूरे मामले की जांच के निर्देश दे दिए हैं।

नगर पालिका इंजीनियर ज्योति ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन और तकनीकी निगरानी को लेकर कई गंभीर सवाल सामने आए हैं। इसी को देखते हुए सबसे पहले भवन के आर्किटेक्ट को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि निर्माण कार्य के दौरान उनका नियमित तकनीकी सुपरविजन क्यों नहीं था और यदि वे अधिकृत आर्किटेक्ट थे तो निर्माण की निगरानी किस प्रकार की जा रही थी। वहीं भवन

स्वामी को जारी दूसरे नोटिस में पूछा गया है कि निर्माण कार्य प्रारंभ होने की सूचना नगर पालिका को क्यों नहीं दी गई तथा निर्माण के दौरान आवश्यक औपचारिकताओं और सुरक्षा उपायों का पालन क्यों नहीं किया गया। नगर पालिका का कहना है कि भवन निर्माण के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से जो स्वीकृति प्राप्त हुई थी, लेकिन मौके पर जिस प्रकार गहराई तक खुदाई की गई है, उससे कई नए सवाल खड़े हो गए हैं। यदि भवन व्यवसायिक उपयोग के लिए बनाया जा रहा है तो पार्किंग की व्यवस्था कहां है?, क्या इतनी गहराई तक बेसमेंट बनाना आवश्यक था? क्या निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे के अनुरूप ही किया जा रहा था? इन सभी बिंदुओं की जांच अब प्रशासनिक स्तर पर की जाएगी। इधर एसडीएम गोपाल सोनी ने भी पूरे मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित राजस्व निरीक्षक (आरआई) को घटनास्थल का निरीक्षण कर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी प्रकार की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि किसी भी निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने शहर में जर्जर और खतरनाक भवनों की भी जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक सर्वे में बूढ़ी, भटेरा, देवीतालाब, गुजरी, कृष्ण मंदिर रोड और मेन रोड सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में करीब 15 जर्जर भवन चिन्हित किए गए हैं। प्रशासन इन भवनों की स्थिति का परीक्षण कर आगे की कार्रवाई करेगा, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बुधवार को हुए इस हादसे ने शहर में तेजी से हो रहे बड़े निर्माण कार्यों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कि गहरे बेसमेंट की खुदाई से पहले आसपास के भवनों की मजबूती, मिट्टी की स्थिति और सुरक्षा उपायों का तकनीकी परीक्षण अनिवार्य होना चाहिए। यदि निर्माण एजेंसियां और संबंधित तकनीकी सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं करेंगे तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं और भी गंभीर रूप ले सकती हैं। फिलहाल नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त जांच जारी है और सभी की नजर अब जांच रिपोर्ट तथा उसके आधार पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

जाहिर आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि जिला बालाघाट की तहसील लालबर्रा के अंतर्गत मौजा ग्राम गर्रा स्थित वादग्रस्त भूमि खसरा नम्बर 327/2 रकबा 0.494 हे0, खसरा क्रमांक 556/5 रकबा 0.222 हे0 एवं खसरा नम्बर 556/6 रकबा 0.182 हे0 जो कि वर्तमान में राजस्व अभिलेखों में श्री नारायण पिता स्व. रामसिंह बोपचे निवासी वारासिवनी के नाम पर दर्ज है और जिसको क्रय करने हेतु अनुबंध दिनांक 10/03/2025 क्रेता विशाल बिसेन पिता स्व0 रमाशंकर बिसेन निवासी गर्रा जिला बालाघाट के साथ किया गया है किन्तु माननीय व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में उक्त वादग्रस्त भूमि के संबंध में व्यवहारवाद क्रमांक आर.सी.एस. ए/83 वर्ष 2026 चल रहा है जिसके कारण अनुबंध की शर्त अनुसार उक्त भूमि का विक्रय अनुबंध पत्र के आधार पर पंजीकृत विक्रय पत्र का निष्पादन होकर क्रेता पक्ष को भूमि का स्वामित्व अंतरण होना शेष है इस स्थिति का फायदा उठाकर अनुबंध का विक्रेता पक्ष किसी अन्य को वादग्रस्त भूमि विक्रय करने की फिराक में है । इसीलिए यह जाहिर आम सूचना दी जा रही है कि उक्त वर्णित भूमि को क्रय या विक्रय ना करें अन्यथा आपको कानूनी कार्यवाहियों का सामना करना प ेगा । वास्ते जाहिर आम सूचना प्रकाशित ।

जाहिर आम सूचनाकर्ता /अनुबंधकर्ता
विशाल बिसेन
पिता स्व0 श्री रमाशंकर बिसेन
निवासी- गर्रा, तहसील- लालबर्रा
जिला- बालाघाट (म.प्र.)
मो0नं0 9407313555

तेज रफ्तार कार का कहर

शादी से लौट रहे तीन लोगों को मारी टक्कर-तीन लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के हनुमान चौक स्टेशन रोड पर बीती रात तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने पैदल जा रहे तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में दो बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक अन्य व्यक्ति को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार किया गया। मामले की जांच कोतवाली पुलिस कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जुलाई की रात वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम सावंगी के 6-7 लोग बालाघाट नगर स्थित वैष लॉन में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी लोग रात करीब 11 बजे भोजन कर पैदल रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे।इसी दौरान हनुमान चौक स्टेशन रोड पर सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने पैदल जा रहे तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जागेश्वर पिता बिसेन चोपड़े 65 वर्ष एवं मुन्नालाल पिता मूलचंद पटले 60 वर्ष धर्मेंद्र चौहान घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों और साथियों की मदद से सभी घायलों को निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज किया गया।घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 03 जुलाई 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

शिक्षा का मंदिर या वसूली का जरिया? लूट का अड्डा साबित हो रहे प्राइवेट स्कूल

शिक्षा के नाम पर जोरो पर चल रही कमीशनखोरी, कॉपी-किताबों की बढ़ी डिमांड, 50 प्रति. तक हुआ कीमतों में इजाफा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लगातार बढ़ रही महंगाई का असर अब बच्चों की कॉपी -किताबों और शिक्षा पर भी पड़ने लगा है।जहा प्राइवेट स्कूलों की मनमानी से शिक्षा विभाग भी अछूता नहीं रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार कॉपिया 50 फीसदी तक महंगी हुई हैं, तो वहीं रबर, पेंसिल और शॉर्पनर के दामों में भी 10 से 20 फीसदी का इजाफा देखने को मिल रहा है।आपको बता दें कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस,सब्जी भाजी, सहित अन्य खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने के बाद अब कॉपी किताबो - के दाम 35 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इसके अलावा नया शिक्षण सत्र शुरू होने से इनकी मांग काफी ज्यादा आने से बाजार में कॉपी किताब की भी कमी बनी हुई है।जिससे बच्चो के अभिभावक काफी परेशान है।तो वही ड्रेस कॉपी किताब स्टेशनी, बैग, जूते, मोजे की खरीदी के लिए निजी स्कूलों ने अपनी अपनी दुकानें फिक्स कर दी है।जहां कॉपी किताब सहित शिक्षण से जुड़ी प्रत्येक सामग्री में निजी स्कूलों का कमीशन फिक्स होने के चलते इनके दामो में भारी इजाफा देखा जा रहा है।उधर जिले भर में चल रही इस सरेआम लूट पर सम्बधित विभाग व जिला प्रशासन का कोई ध्यान नही है।जिसके चलते बच्चो के अभिभावक अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे है।

मंहगाई की ट्रिपल मार झेल रहे अभिभावक

पहले से स्कूली फीस की मार झेल रहे पेरेंट्स, इस साल कॉपी किताबो की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान है। ऐसे में कॉपी किताबो के दामों में बढ़ोत्तरी का असर लोगों की जेब पर दिखने लगा है नया शैक्षिक सत्र शुरू होते ही कॉपी किताबों ड्रेस, जूता आदि के कीमत में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गयी है। ऐसे में अभिभावकों की दिक्कत काफी बढ़ती दिख रही है। इसके अलावा स्कूली बैग की कीमत में सौ से डेढ़ सौ रुपये का इजाफा हुआ है। जीएसटी सहित फुटवियर स्कूल शूज की कीमतों में 150 रुपये तक का इजाफा देखा जा रहा है।बात अगर वर्तमान समय की करे तो पेट्रोल डीजल रसोई गैस, हरी सब्जियों ,अन्य खाद्य प्रदार्थो के बाद अब महंगे दामो में स्कूली समाग्री खरीदने वाले अभिभावक मंहगाई की ट्रिपल मार झेलने को मजबूर है।

महंगाई की मार से शिक्षा भी अछूती नहीं

नए शिक्षण सत्र की शुरुवात होते ही महंगाई की मार से शिक्षा भी अछूती नहीं रही है। पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष शिक्षण सामग्री, ड्रेस और स्कूलों की एक्टिविटी सामग्रियों भी बढ़ोत्तरी हुई है। एक तरफ सरकार मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम बनाकर पालकों के आर्थिक बोझ को कम करना चाह रही है। वहीं शासकीय स्कूलों में निजी स्कूल जैसी सुविधाएं नहीं होने से अभिभावक और बच्चें निजी स्कूलों में मोटी फीस देकर एडमिशन लेने में अधिक रूचि दिखा रहे हैं।

कार्यवाही के चलते नही बढाई फीस, तो कमीशन बढ़ाकर कमा रहे राशि

करीब 2 वर्ष पूर्व प्रशासन की ओर से निजी स्कूलों की फीस वसूली पर कार्यवाही की गई थी।इसलिए इस वर्ष फीस तो नही बढ़ी। लेकिन स्कूल वालो ने शिक्षण सामग्रियों में कमीशन बढ़ाकर अपना पिछला घाटा पूरा कर लिया है।तो वही पिछली बार की अपेक्षा इस वर्ष अधिक शिक्षण सामग्री अभिभावकों से खरीदवाकर स्कूल संचालक अभिभावकों को लूटने में जरा भी गुरेज नहीं कर रहे हैं।

स्कूल संचालकों की मनमानी

अभिभावक अपने बच्चे को अच्छे और महंगे स्कूल में पढ़ने की जिद में आकर स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। जिद के सामने निजी स्कूल में बच्चों का दाखिला करवा रहे हैं। स्कूल संचालक मनमानी कर कई तरह के नियम बताकर अधिक रुपए वसूल रहे हैं।अभिभावकों के मुताबिक शहर के ऐसे स्कूल जहां टाई और बैंच स्वयं के पास से मुहैया कराई जाती है। बदले में संचालक दोगुने दाम वसूलते हैं कि उनका बच्चा बालाघाट के एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल में अध्यनरत है। स्कूल में लगने वाली टाई और बेच का बाजारी मूल्य 65 से 70 रुपए है, वही लंबी टाई और बेच का शुल्क 100 रु, इसके अलावा स्कूलों से खरीदने पर भी संचालक टाई और बैच के दोगुने दाम लेकर ठगी कर रहे है। मार्केट की कई दुकानों में स्कूल का नाम लिखा बैच और टाई नहीं मिलने से पालकों को मजबूरन स्कूल से ही खरीदारी करनी पड़ रही है। तो वही जिन दुकानों में स्कूलों का नाम लिखी टाई, बेंच और बेल्ट मिल रहे है।उसका एक निश्चित कमीशन का पैसा सीधे स्कूल पहुच रहा है।

ये है कापियों की दाम

कक्षा	पिछले वर्ष	इस वर्ष
केजी 1	290	420
केजी 2	290	430
पहली	345	465
दूसरी	330	480
तीसरी	360	500
चौथी	400	550
पांचवीं	450	590

ये है यूनिफार्म के दाम

कक्षा	पिछले वर्ष	इस वर्ष
केजी 1	300-350	380-400
केजी 2	300-350	380-400
पहली	350-380	395-430
दूसरी	350-380	430-450
तीसरी	400-450	530-570
चौथी	400-450	530-580
पांचवीं	500-530	600-650

शहर की के प्रतिष्ठित दुकान से यह जानकारी मिली है।

स्कूली सुविधाओं के नाम पर लूट

प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन के नाम पर मनमाना डोनेशन लिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों के लिए साधन और सुविधाएं भले ही पर्याप्त न हों, लेकिन एडमिशन और शिक्षण फीस और अन्य एक्टिविटी के नाम पर जमकर लूट की जा रही है। उधर स्कूल वैन, बस, रिक्शा, आँटो आदि का किराया भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ चुका है इसके अलावा शहर के कुछ प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में कम्प्यूटर, खेल और अन्य कोर्सों के नाम पर हजार रुपए तक अधिक लिए जा रहे हैं।

अन्य सुविधाओं के नाम पर वसूल रहे अतिरिक्त शुल्क

उधर स्कूलों में पेन्टिंग, खेल और अन्य प्रकार के नए कोर्स शुरु कर दिए है। इनके लिए अलग से कापी, किताब खरीदनी पड़ रही है। इस कारण पालको को 50 से 60 रुपए का अतिरिक्त खर्चा वहन करना पड़ रहा है।वही निजी स्कूल संचालक खेल, कम्प्यूटर और अन्य तरह की फीस वसूल कर जा रहे है। छोटे बच्चों से भी कम्प्यूटर की फीस ली जा रही है।उधर निजी स्कूलों ने दुकान संचालको से समझौता कर ड्रेस बेचने की परमिशन दी है लेकिन दुकानदार अभिभावकों को अधिक मूल्य में ड्रेस वितरित कर रहा है।अन्य दुकानों में ड्रेस नहीं मिलने से मजबूरन वहीं से ड्रेस लेनी पड़ रही है।

निजी शिक्षण संस्थान ,सरकारी आदेशों की उड़ा रहे धज्जियां

हर वर्ष शिक्षण संस्थानों के खुलने के पूर्व सरकार द्वारा स्कूली किताबों यूनिफॉर्म सहित शिक्षण शुल्क को लेकर गाइड लाइन जारी कर निजी शिक्षण संस्थानों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए जाते हैं और आदेश के उल्लंघन पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी जाती हैं लेकिन शासन की ये चेतावनी हर बार निजी शिक्षण संस्थानों के लिए महज कोरी भभकी बनकर रह जाती हैं और ये निजी शिक्षण संस्थान शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते रहते हैं।

किताबें और ड्रेस के लिए निर्धारित की दुकानें

स्कूल प्रबंधन द्वारा वाट्सएप चैट पर अभिभावकों को रुपये मैसेज भेजे जा रहे हैं। जहा स्कूल की कॉपी किताबें कहा से लेना है, ड्रेस कौन सी दुकानों में मिलेंगी, यहां तक कि उन दुकानों का एड्रेस व फोन नंम्बर तक लिखा जा रहा है।उधर दुकानों में स्कूल और कक्षा का नाम बताते हुए दुकानदार पूरा का पूरा बंच उठाकर रख देता है।इसे पहले से मालूम होता है कि इस साल कौन से स्कूल में कौन कौन सी कॉपी किताब लग रही है।

बालाघाट में सर्पदंश का कहर

एक ही दिन में 13 वर्षीय बालिका समेत तीन बच्चों की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में सर्पदंश की दर्दनाक घटनाओं ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। 2 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जहरीले सांप के काटने से 13 वर्षीय बालिका सहित तीन बच्चों की मौत हो गई। सभी मामलों में परिजनों ने बच्चों को

तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आम बीनने गई 13 वर्षीय दामिनी की मौत

बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम तोरगा में 13 वर्षीय दामिनी पिता गौतम सहारे की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। दामिनी कक्षा सातवीं की छात्रा थी और अपने दो छोटे भाइयों में सबसे बड़ी थी। उसके माता-पिता खेती और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। जानकारी के अनुसार 2 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे दामिनी घर से कुछ दूरी पर स्थित आम के पेड़ के नीचे गिरे आम बीनने गई थी। इसी दौरान उसके हाथ में जहरीले सांप ने काट लिया। दामिनी ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसे तत्काल बिरसा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। देर शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के फीजर में सुरक्षित रखवाया है, जिसका पोस्टमार्टम 3 जुलाई को किया जाएगा।

घर में सो रहे 16 वर्षीय किशोर की सर्पदंश से गई जान

बिरसा थाना क्षेत्र के ही ग्राम दरबारी टोला में 1 और 2 जुलाई की दरमियानी रात 16 वर्षीय अहम पिता कन्हैया कारसपे की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दरबारी टोला निवासी अहम कारसपे दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। उसने पढ़ाई छोड़ दी थी और अपने माता-पिता के साथ मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था। बताया गया कि 1 जुलाई की रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद अहम घर में जमीन पर गद्दा बिछाकर सोया था। देर रात करीब 3 बजे उसके दाहिने हाथ में किसी जहरीले सांप ने काट लिया। दर्द और बेचैनी होने पर उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद उसे तत्काल बिरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया था। हालांकि जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे एवं आरक्षक विक्रम शर्मा ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर प्रकरण की डायरी अग्रिम जांच के लिए बिरसा थाना भेज दी है।

घर में खेल रहे 9 वर्षीय अर्पित की भी चली गई जान

तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हथौड़ा में 9 वर्षीय अर्पित पिता बारेलाल मालदे की भी सर्पदंश से मौत हो गई। अर्पित कक्षा चौथी का छात्र था और अपनी दो बहनों में सबसे छोटा था।उसके माता-पिता मजदूरी करते हैं।जबकि पिता काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। जानकारी के अनुसार, 2 जुलाई को अर्पित सुबह स्कूल से घर लौटने के बाद घर में अकेला खेल रहा था। उसकी दोनों बहनें स्कूल चली गई थीं और मां मजदूरी करने गई थी। दोपहर करीब 12 बजे मोहल्ले के लोगों ने अर्पित को घर के बाहर दरवाजे पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके मुंह से झाग निकल रहा था। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे और उसे इलाज के लिए तुमसर ले जाने लगे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।सहायक उपनिरीक्षक उमेश दिवेवार ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का कटंगी अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में सर्पदंश से मौत की आशंका जताई गई है। मामले की जांच तिरोड़ी पुलिस कर रही है।

एक ही दिन में तीन मासूमों की मौत से दहशत

लगातार सामने आई इन तीन सर्पदंश की घटनाओं ने दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। बरसात के मौसम में सांपों के बिलों से बाहर निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से खेतों, घरों के आसपास और खुले स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने तथा सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचने की अपील की है।

माइक्रो इरिगेशन परियोजना के प्लांट में भीषण आग, लाखों की सामग्री जलकर खाक

राघवटोला स्थित निर्माणाधीन प्लांट में मची अफरा-तफरी, कई दमकल वाहनों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परतापुर के राघवटोला स्थित माइक्रो इरिगेशन परियोजना के निर्माणाधीन प्लांट में 1 जुलाई को अचानक भीषण आग लगने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही मिनटों में प्लांट परिसर में रखे प्लास्टिक के पाइप, मशीनरी, उपकरण और अन्य निर्माण सामग्री उसकी चपेट में आ गई। प्लास्टिक सामग्री में आग लगने के कारण आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार उठने लगा, जिसे करीब दो किलोमीटर दूर से भी देखा गया। धुएं का गुबार देखकर बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल की ओर पहुंच गए और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही लामता पुलिस के साथ-साथ बालाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों से दमकल वाहनों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने घंटों तक लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया जा सका। हालांकि तब तक प्लांट में रखा बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पाइप, सिंचाई उपकरण, मशीनरी और अन्य सामग्री जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर लाखों रुपये के नुकसान की संभावना जताई जा रही है, लेकिन कंपनी प्रबंधन और प्रशासन की ओर से अभी तक नुकसान का अधिकृत आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार उक्त प्लांट माइक्रो इरिगेशन परियोजना

का हिस्सा है, जिसके माध्यम से किसानों के खेतों तक पाइपलाइन के जरिए सिंचाई सुविधा पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं और परियोजना से जुड़ी महंगी सामग्री प्लांट परिसर में सुरक्षित रखी गई थी। आग लगने से परियोजना के कार्य पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों एवं संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग शॉर्ट सर्किट, तकनीकी कारणों से लगी या फिर इसके पीछे कोई अन्य वजह है। इस बीच पूरे घटनाक्रम को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार घटना से एक दिन पहले कुछ लोगों द्वारा प्लांट पहुंचकर कंपनी के प्रतिनिधियों से कथित रूप से रकम की मांग की गई थी। बताया जा रहा है कि मांग पूरी नहीं होने पर विवाद और मारपीट भी हुई थी। इसके बाद आगजनी की घटना सामने आने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है। हालांकि इन दावों की अभी तक पुलिस ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और उनसे घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नाम भी चर्चा में सामने आ रहे हैं, लेकिन इस संबंध में भी प्रशासन या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक भी घटनास्थल पहुंचे और अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। उन्होंने नुकसान का आकलन कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा परियोजना का कार्य शीघ्र पुनः शुरू कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जांच में आगजनी की पुष्टि होती है तो यह जिले की हाल के वर्षों की सबसे बड़ी औद्योगिक आगजनी की घटनाओं में शामिल हो सकती है। अब सभी की नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि आखिर इस भीषण आग के पीछे दुर्घटना थी या कोई सुनियोजित साजिश।

हनुमान चौक में बुलेट ने स्कूटी को मारी टक्कर

मंडला की छात्रा सहित दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के हनुमान चौक पर गुरुवार रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एक महिला सहित दो लोग घायल हो गईं। दोनों को डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों घायल जिनमें संजना पिता हीरालाल जंघेला 21 वर्ष ग्राम गोंझी थाना नैनपुर जिला मंडला और निधि पति ऋषिकेश बनोदे 32 वर्ष वार्ड नंबर 12 बूढ़ी बालाघाट निवासी है। जानकारी के अनुसार 1 जुलाई को मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोंझी निवासी संजना जंघेला, बस से बालाघाट आई थी। संजना बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा है। बालाघाट पहुंचने के बाद वह निधि बनोदे के साथ स्कूटी से नगर के एक निजी अस्पताल गई थी। रात करीब 11 बजे दोनों स्कूटी से बू ी लौट रही थीं। हनुमान चौक पहुंचने पर सामने से आ रही बुलेट ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों महिलाएं स्कूटी सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उनका इलाज किया गया । जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने घायल संजना जंघेला का बयान दर्ज कर लिया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए अस्पताल तहरीर कोतवाली भेज दी गई है।

जमीन विवाद ने पकड़ा तूल-मामला बिरसा थाने के ग्राम दमोह का

जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर धान की बुवाई को लेकर एक ही परिवार के छह लोगों पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दमोह में वर्षों पुराने जमीन विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया। खेत में धान की बुवाई को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि एक पक्ष ने विवादित जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर धान की बुवाई कर दी। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। मामले में बिरसा पुलिस ने भागवती पति सुखराम राठौर 53 वर्ष की शिकायत के आधार पर उसकी जेठानी बुधिया बाई राठौर सहित छह लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दमोह निवासी भागवती राठौर और उसकी जेठानी बुधिया बाई, उसके पुत्र तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पिछले लगभग पांच वर्षों से खेती की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।शिकायत के अनुसार वर्ष 2025 में बिरसा तहसीलदार द्वारा भूमि का सीमांकन एवं नाप-जोख कर संबंधित जमीन का कब्जा भागवती राठौर को सौंप दिया गया था। इसके बाद से वह और उसका परिवार उक्त भूमि पर खेती कर रहे थे।भागवती ने पुलिस को बताया कि 1 जुलाई की सुबह वह अपने पति सुखराम, पुत्र मुकेश और महेश तथा बहू मंजू के साथ खेत पहुंची और अपने हिस्से की जमीन पर धान की बुवाई कर घर लौट आई। दोपहर करीब 12 बजे उसका बड़ा पुत्र महेश बैहर से लौटते समय खेत के पास पहुंचा तो उसने देखा कि उसी जमीन पर बुधिया बाई, उसका पुत्र गुलसिंह, बहू लक्ष्मीबाई और अन्य परिजन धान की बुवाई कर रहे हैं।महेश ने घर पहुंचकर इसकी जानकारी परिवार को दी। इसके बाद भागवती अपने पुत्रों और बहू के साथ खेत पहुंची और विरोध जताते हुए कहा कि संबंधित भूमि का कब्जा तहसीलदार के आदेश से उन्हें दिया जा चुका है, इसलिए उस पर अवैध रूप से कब्जा न किया जाए।आरोप है कि इस पर दूसरे पक्ष के लोगों ने तहसीलदार के आदेश को मानने से इनकार कर दिया तथा अश्लील गालियां देते हुए मारपीट करने की कोशिश की। साथ ही दोबारा खेत में आने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जान का खतरा महसूस होने पर भागवती और उसका परिवार वहां से लौट आया। रास्ते में आदित्य राठौर और नेहा राठौर ने भी जमीन विवाद को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया घटना के बाद भागवती राठौर अपने परिवार के साथ बिरसा थाना पहुंची और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई।

इनके खिलाफ मामला दर्ज

बिरसा पुलिस ने शिकायत के आधार पर बुधिया बाई पति स्व. तुकाराम राठौर, गुलसिंह पिता तुकाराम राठौर, रामबाई पति दिनेश राठौर, आदित्य पिता दिनेश राठौर, नेहा पिता दिनेश राठौर तथा लक्ष्मीबाई पति गुलसिंह राठौर सहित छह लोगों के विरुद्ध अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधी धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बार-बार बालाघाट-सिवनी फोरलेन निर्माण की घोषणा, धरातल पर काम शून्य, लोगों में भारी रोष

मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल के बीच सड़क में जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढे

गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे राहगीर, बड़ी दुर्घटना की आशंका, जिम्मेदार मौन.

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से गुजरे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के फोरलेन निर्माण को लेकर शासन-प्रशासन के रवैये से स्थानीय जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस बदहाल सड़क के निर्माण के लिए पूर्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषणा की जा चुकी है और राशि स्वीकृत होने की बात भी कही गई थी। लेकिन धरातल पर अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। हद तो तब हो गई जब बुधवार को सिवनी आगमन पर मुख्यमंत्री द्वारा पुन: इसी बालाघाट-सिवनी फोरलेन निर्माण कार्य की घोषणा की गई। इस तरह इस मार्ग के लिए केवल घोषणाओं का दौर चल रहा है, जबकि जमीनी हकीकत शून्य बनी हुई है। बार-बार की जा रही इन खोखली घोषणाओं से राहगीरों और ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी रोष है।

बरसात शुरू होते ही बढ़ीं मुश्किलें, जिम्मेदार मौन

मानसून की शुरूआत होते ही बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पूरी तरह खस्ताहाल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये हैं, जिससे आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे हैरत की बात यह है कि इस मार्ग से रोजाना क्षेत्र के सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी को भी मार्ग की यह बदहाली नजर नहीं आ रही है। राहगीरों एवं स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का यह मौन रवैया से लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

गड्ढों में तब्दील हुआ व्यस्तम मार्ग, स्कूली बच्चे हो रहे चोटिल

लालबर्रा मजार से लेकर सर्राटी नदी मानपुर पुल के बीच का हिस्सा सबसे अधिक व्यस्तम और ट्रैफिक वाला क्षेत्र है। वर्तमान में इस मार्ग के बीच में जगह-जगह जानलेवा गड्ढे बन चुके है। वहीं बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे वाहन चालकों को गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता। इसके चलते आये दिन स्कूली बच्चे और राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावनी बनी हुई है। वहीं क्षेत्रीय जनता का आरोप है कि करीब दो वर्ष पूर्व इस फोरलेन निर्माण की घोषणा की गई थी और कई राजनेताओं ने इसका श्रेय लेने की होड़ भी मचाई थी, परंतु काम आज तक शुरू नहीं हुआ। सरकार सिर्फ घोषणाएं कर रही है, उसे पूरा करने की इच्छाशक्ति गायब है। पुन: एक बार फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बुधवार को सिवनी में आयोजित कार्यक्रम में बालाघाट से सिवनी फोरलेन निर्माण की घोषणा की गई है। अब देखना है कि बालाघाट-सिवनी फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य शुरू होता है या फिर घोषणा तक ही सीमित रह जाता है।

इन प्रमुख स्थानों पर बने हैं 'यमदूत' रूपी गड्ढे

लालबर्रा मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित माँ सतबहनी मंदिर प्रवेश गेट के सामने, सेंट्रल बैंक के सामने, मुख्य बस स्टैंड और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के आगे मुख्य मार्ग के बीच सहित अन्य स्थानों एवं किनारों पर बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये है। वहीं बारिश होने पर इन गड्ढों में जलभराव और पटरियों के किनारे भारी कीचड़ होने से पैदल चलना भी दूभर हो गया है। लंबे समय से मजार के पास, सैंट्रल बैंक और बस स्टैंड के सामने बने इन गड्ढों की मरम्मत करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन सड़क विभाग एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीयजनों, व्यापारियों और राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि फोरलेन निर्माण जब होगा तब होगा, लेकिन वर्तमान में बने इन जानलेवा गड्ढों का जल्द डामरीकरण और मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

जनप्रतिनिधि सिर्फ घोषणाएं कर रहे है, काम नही हो रहा है - रवि

समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग बहुत ही व्यस्ततम मार्ग है और मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल तक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं जिनमें बारिश का पानी जमा हो जाता है और लोगों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा सिर्फ घोषणाएं की जा रही है, लेकिन धरातल पर काम कुछ नही हो रहा है और क्षेत्रीय विधायक और सांसद के द्वारा भी कोई प्रयास नहीं किये जा रहे है। जबकि रोजाना इस खस्ताहाल से वे लोग भी आवागमन कर रहे है लेकिन इस सड़क की समस्या को दुर नही कर रहे है। सड़क खराब होने से आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है। हमें लगता है कि हमारे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि या तो जनता से झूठ बोलते हैं या इनमें काम करने की क्षमता नहीं है। आगे बताया कि प्रशासन को प्री मानसून के पहले सड़क का मरम्मत कार्य करवा देना चाहिए था किन्तु ऐसा नही हुआ है। शासन-प्रशासन किसी की जान जाने का इंतजार करती है, वर्तमान में सड़क गायब सी हो गई है, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सिर्फ घोषणाएं कर रहे हैं, धरातल पर काम नही हो रहा है। हमारी मांग है कि फोरलेन सड़क निर्माण की घोषणा की है तो उसे अविलंब प्रारंभ करवाये।

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के बाद भी नही जाग रहा प्रशासन - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि बालाघाट-सिवनी मार्ग के नवीन निर्माण के लिए दोनों ही जिलों की जनता विगत कई वर्षों से शासन प्रशासन से मांग कर रही है। लेकिन नेताओं से सिर्फ घोषणाएं मिल रही है। बुधवार को सिवनी पहुंचे मुख्यमंत्री जी को विधायक-सांसद के द्वारा चलते भाषण में इस मार्ग की दुर्दशा से अवगत करवाना पड़ा। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और जनप्रतिनिधियों के द्वारा मुख्यमंत्री जी से कहा गया कि इस मार्ग की घोषणा होनी चाहिए नही तो हम क्षेत्र में नहीं जा पायेगें। जबकि इससे पूर्व में भी फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृत हो चुकी है किन्तु धरातल पर शून्य है। सरकार सिर्फ बार-बार घोषणा कर झूठा श्रेय लेने का कार्य कर रही है। श्री कुशवाहा ने बताया कि लालबर्रा मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल तक सड़क में बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये है जिससे स्कूली बच्चों सहित सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस बदहाल सड़क के कारण पूर्व में कई लोगों की मौते भी हो चुकी है उसके बाद भी प्रशासन नही जाग रहा है। नेताओं के द्वारा औपचारिकता के तौर पर सिर्फ घोषणा की जा रही है, जमीन स्तर पर कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि सड़क का निर्माण जब करना है तब करें परंतु वर्तमान में प्रमुखता से सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाये।

आषाढ़ की पहली झमाझम बारिश से तरबतर हुआ लालबर्रा, किसानों के खिले चेहरे

उमस भरी गर्मी से मिली राहत, बीज बुआई एवं रोपाई में आयेगी तेजी, पहली ही बारिश ने खोली ग्राम पंचायतों के सफाई अभियान की पोल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जारी तेज धूप और उमस भरी भारी गर्मी से परेशान आम जनता और किसानों को आखिरकार बड़ी राहत मिली है। आषाढ़ माह की शुरूआत होते ही गुरूवार सुबह से दोपहर तक क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई, जिसके बाद दिनभर रिमझिम फुहारों का दौर जारी रहा। इस

पहली ही जोरदार बारिश से पूरा इलाका पानी-पानी हो गया है। लंबे समय से मानसून की बेरूखी झेल रहे किसानों के चेहरे इस बारिश से खिल उठे हैं।

फसलों के लिए संजीवनी बनी बारिश

आपकों बता दे कि विगत दिनों से बारिश न होने के कारण जिन किसानों ने खरीफ फसल के लिए धान के बीज की बुआई (खार) कर दी थी, वे बेहद चिंतित थे। मानसून के रूठे रहने से किसानों को आर्थिक नुकसान का डर सता रहा था, क्योंकि वे महंगे बीज और खाद पहले ही खरीद चुके थे। गुरूवार को हुई इस बारिश ने उन फसलों के लिए संजीवनी का काम किया है। वहीं जिन किसानों ने अब तक बोनी शुरू नहीं की थी, वे भी अब तेजी से बीज बुआई के काम में जुट गये है। वहीं किसानों का कहना है कि यदि मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा और नियमित अंतराल पर बारिश होती रही, तो जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, वे आगामी एक सप्ताह के अंदर धान की रोपाई का कार्य शुरू कर देंगे। वहीं क्षेत्र के अन्नदाताओं को उम्मीद है कि इस वर्ष आगे भी बेहतर बारिश होगी। साथ ही गुरूवार को हुई झमाझम बारिश ने किसानों को एक तरफ सुहानी उम्मीदें दी है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायतों की उदासीनता भी उजागर कर दी है। गुरूवार को हुई तेज बारिश के कारण कई निचले स्तर की ग्राम पंचायतों के वार्डों में जलजमाव की स्थिति निर्मित हो गई। नालियों की समय पर सफाई न होने के कारण गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया। इस पहली ही बारिश ने ग्राम पंचायतों द्वारा चलाये जाने वाले सफाई अभियानों के दावों की पूरी तरह से पोल खोलकर रख दी है, जिससे ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

नाली जाम होने से घरों में घुसा बारिश का पानी

जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत टेंगनीकला में गुरूवार को सुबह से हुई तेज बारिश ने वार्ड नंबर 9 के कई परिवारों के लिए गंभीर परेशानी खड़ी कर दी। नाली से पानी निकासी नहीं होने से बारिश का पानी लोगों के आंगन और घरों के अंदर तक पहुंच गया। स्थिति ऐसी बन गई कि कई परिवारों के रसोईघर तक पानी भर गया, जिससे उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। पीड़ित रामकिशोर सोनवाने ने बताया कि ग्राम के एक व्यक्ति के द्वारा नाली बंद कर दिये जाने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई है। जिसके कारण पहली ही बारिश में घरों के अंदर पानी घुस गया है। लगातार पानी रहने से मकानों के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। आगे बताया कि इस समस्या की जानकारी सरपंच एवं सचिव को कई बार दी गई है, लेकिन अब तक पानी निकासी की व्यवस्था नही की गई है, न ही बंद नाली को खुलवाया गया है। जिसके कारण वार्ड नंबर 9 में पानी निकासी की समस्या बनी हुई है। स्थानीय एवं जनपद प्रशासन से मांग है कि बंद नाली को खुलवाकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाये।

जनपद स्कूल में घुसा बारिश का पानी, परिसर बना तालाब, पढ़ाई हुई प्रभावित

तहसीलदार और सरपंचों ने किया निरीक्षण, बनाई पानी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के समनापुर मार्ग स्थित शासकीय जनपद एकीकृत माध्यमिक स्कूल में गुरूवार सुबह से हुई झमाझम बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गये। स्कूल परिसर में भारी मात्रा में जलजमाव होने से पूरा मैदान एक छोटे तालाब में तब्दील हो गया। पानी का भराव इस कदर था कि स्कूल के कार्यालय (ऑफिस) कमरें के अंदर तक पानी घुस गया, जिससे दोपहर तक जलभराव की स्थिति बनी रही। जिसके चलते ब'चों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई है। इस तरह से स्कूल के कार्यालय के अंदर पानी घुस जाने एवं परिसर में अत्यधिक पानी जमा होने से शिक्षकगणों के साथ ही ब'चों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आपकों बता दे कि लालबर्रा के शासकीय जनपद एकीकृत माध्यमिक स्कूल में गुरूवार सुबह जब ब'चें और शिक्षक स्कूल पहुंचे, तो उन्हें मुख्य द्वार से कमरों तक जाने के लिए घुटने भर पानी से होकर गुजरना पड़ा। ऑफिस के अंदर पानी चले जाने से न केवल कमरों में सीलन और नमी की स्थिति बन गई है। बल्कि स्कूल के कुछ महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और दस्तावेजों में भी नमी आ गई है। वहीं स्थानीयजनों एवं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि पहले जिस स्थान से स्कूल के पानी की निकासी होती थी, उसके पीछे रहने वाले कुछ लोगों ने अपनी निजी जमीन पर मिट्टी का भरन कर दिया है। जिसके चलते पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हुई है। गुरूवार को हुई तेज बारिश का पानी बाहर नहीं निकल पाने के कारण स्कूल परिसर में पानी जमा हो जाने से पढ़ाई

भी प्रभावित हुई है। जिससे बच्चों के साथ ही शिक्षकगणों को भी परेशानी हुई है।

प्रशासनिक अमला पहुंचा मौके पर, बनाई अस्थाई नाली

समनापुर मार्ग अमोली स्थित शासकीय जनपद एकीकृत माध्यमिक स्कूल लालबर्रा परिसर में जलभराव की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रभारी प्रधानपाठक द्वारा तत्काल तहसीलदार लालबर्रा, पांढरवानी व अमोली सरपंच को सूचित किया गया। जिसके बाद दोपहर करीब 3 बजे नायब तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान, अमोली सरपंच सुकवन समनपुरे और अन्य स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। स्कूल पहुंचकर अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के बाद तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत स्कूल भवन के पीछे से मजदूरों के माध्यम से एक अस्थाई नाली बनवाई गई। इस अस्थाई नाली के बनते ही परिसर और कमरों में जमा पानी धीरे-धीरे बाहर निकल गया। वहीं प्रशासन द्वारा की गई यह व्यवस्था तात्कालिक राहत तो दे गई है, लेकिन यह इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। यदि आगामी दिनों में फिर से तेज बारिश होती है, तो स्कूल में दोबारा यही स्थिति निर्मित हो जायेगी, जिससे बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों प्रभावित होगी। स्कूल के शिक्षकगणों, अभिभावकों और बच्चों ने प्रशासन से पानी निकासी की इस समस्या का जल्द से जल्द स्थाई निराकरण करने की मांग की है।

पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान निकाले प्रशासन - रविशंकर

शासकीय जनपद एकीकृत माध्य स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्रधानपाठक रविशंकर हनवत ने बताया कि गुरूवार को सुबह से तेज बारिश होने के कारण जिस स्थान से पूर्व में पानी निकासी का रास्ता था। वह बंद हो जाने के कारण स्कूल परिसर में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी एवं आफिस के अंदर पानी घुस गया था। जिसकी जानकारी तहसीलदार एवं पांढरवानी व अमोली के सरपंच को दी गई। श्री हनवत ने बताया कि स्कूल पहुंचकर प्रशासन के द्वारा पानी निकासी के लिए अस्थाई नाली बनाई गई है जिसके बाद पानी निकल पाया है लेकिन यह स्थाई समाधान नही है। तेज बारिश होती है तो आने वाले दिनों में बच्चों को कक्षाओं तक पहुंचना नामुमकिन हो जायेगा। इसलिए प्रशासन से मांग है कि पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान निकाले।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेश पर इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशो के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 2 जुलाई को नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेश पर इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य कार्यक्रम डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करना, कुशल कर्म करने तथा चित्त की एकाग्रता एवं चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने तथा तनाव से दूर रहने के लिए सकारात्मक चिंतन पर बल दिया। वहीं महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने कहा कि शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सौलखे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. देवराज चौरे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. सुमन बरवा, डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. हषिकेश पटेल, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एडे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जर्जर ढूटी नहर और गंदगी का अंबार विभाग मौन

पानी के साथ भरकर आने वाली गंदगी से किसानों की बढ़ी चिंता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के मध्य से गुजरने वाली जीवनदायिनी ढूटी नहर विभागीय अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण खुद बदहाल हो रही हैं। नहर की स्थिति दिन.ब.दिन लगातार जर्जर होती जा रही है लेकिन जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह बेपरवाह बने हुए हैं। अधिकारियों की इस कार्य प्रणाली और घोर अनदेखी का सीधा खामियाजा क्षेत्र के अन्नदाताओं को भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान में नगर के बीच से निकलने वाली इस मुख्य नहर में बेहताशा गंदगी का अंबार लगा हुआ है ,तो वहीं पूरी नहर जगह जगह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लोगो का कहना है कि नहर निर्माण के बाद से ही यहां की स्थिति जस की तस बनी हुई है। इसके बावजूद अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय अधर नहर जल संसाधन विभाग के द्वारा आज तक क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत और सफाई के लिए कोई भी सार्थक प्रयास नहीं किए गए हैं।

जर्जर लाइनिंग और कचरे का साम्राज्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार उचित रखरखाव नही होने के कारण नहर के लाइनिंग कार्य में बड़ी बड़ी टूट.फूट और दरारें आ गई हैं जो अब समय के साथ गहरे गड्ढों में तब्दील होती जा रही हैं। स्थिति यह है कि नहर अब कचरा डंपिंग ज़ोन जैसी नजर आने लगी है। नहर के भीतर भारी मात्रा में प्लास्टिक, पॉलिथीन, घरेलू कूड़ा.कचरा, मिट्टी, मुरूम, गाद, सूखी लकड़ियां और सड़ चुकी सब्जियां पटी पडी हैं। इतना ही नहीं पानी के अभाव और गाद जमा होने के कारण नहर के अंदर कई स्थानों पर जंगली झाड़ियां और खरपतवार भी पनप गए हैं। यह नहर ढूटी घाट से शुरू होकर वारासिवनी नगर से गुजरते हुए खैरलांजी तक जाती है। इसके माध्यम से क्षेत्र की हजारों एकड़ कृषि भूमि को सिंचित किया जाता है। वर्तमान में खरीफ का सीजन प्रारंभ हो चुका है और किसानों ने खेतों में फसल लगाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। क्षेत्र का किसान बारिश के साथ साथ इस नहर के पानी पर भी पूरी तरह आश्रित रहता है। अमूमन हर किसान अपनी फसल को बेहतर उत्पादन के लिए कम से कम एक बार नहर के पानी से जरूर सींचता है। नहर में जमा यह भारी गंदगी अब किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बन रही है। जब नहर से पानी छोड़ा जाता है तो यह सारा सड़ा गला कचरा और प्लास्टिक पानी के साथ बहकर सीधे किसानों के खेतों में पहुंच जाता है। इससे फसलों की पैदावार और गुणवत्ता तो प्रभावित हो ही रही है साथ ही खेतों की जमीन की उर्वरक क्षमता भी धीरे.धीरे नष्ट हो रही है। इसके अलावा नहर में जगह जगह हुई टूट.फूट के कारण पानी का रिसाव होता है, जिससे टेल और आखिरी छोर तक पर्याप्त रूप से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए बनाए गए कई आउटलेट भी कचरे और गंदगी के कारण पूरी तरह से चोक हो चुके हैं। ग्रामीणों और किसान इस गंभीर समस्या को लेकर बीते कई वर्षों से नहर विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से लगातार शिकायतें दी जा रही हैं और सुधार की मांग की जा रही है। लेकिन हर बार किसानों को केवल कोरे आश्वासन ही मिले हैं धरातल पर आज तक कोई निराकरण नहीं हो पाया है। विभाग की इसी सुस्ती के कारण नहर की हालत रोज खराब होती जा रही है। परेशान और आक्रोशित किसानों ने अब प्रशासन और विभागीय उच्च अधिकारियों से मांगें की हैं की नहर के सभी क्षतिग्रस्त स्थानों की तत्काल मरम्मत की जाए। नहर के लाइनिंग कार्य का नए सिरे से सुधार किया जाए, खरीफ सीजन के मुख्य सिंचाई दौर से पहले नहर के भीतर जमी गाद और गंदगी की पूरी तरह साफ सफाई कराई जाए । वहीं नहर के अंदर कचरा और गंदगी डालने वाले पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाए।

कई स्थानों से टूटा नहर बड़े.बड़े गड्ढे हो गए है-धनेन्द्र चौधरी

धनेन्द्र चौधरी ने बताया की ढूटी नहर का जो लाइनिंग कार्य है वह कई स्थानों से टूट चुका है कुछ जगह तो बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं। वहीं नहर के अंदर हर जगह गंदगी धूल मिट्टी देखने को मिल रही है ,जिस पर सुधार को लेकर अनेकों बार शिकायत की जा चुकी है पर किसी भी जिम्मेदार के द्वारा आज तक ध्यान नहीं दिया गया है। यही कारण है कि जब किसानों को पानी की जरूरत होती है और नहर में पानी आता है तो किसानों को दिक्कत होती है । क्योंकि गंदगी के कारण पानी आ नहीं पता और साफ सफाई कर पानी लाते हैं तो वह गंदगी के साथ आता है। इसका सुधार कार्य होना बहुत जरूरी हो गया है।

विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे किसान-ललित ठाकुर

वन सभापति ललित ठाकुर ने बताया कि नहर की स्थिति जर्जर है बहुत ज्यादा कचरा है। इसमें पानी निकासी के समय विशेष कर किसानों को समस्या होती है क्योंकि यह पानी खेतों में जाता है। जो अपने साथ प्लास्टिक झिल्ली वह विभिन्न गंदगियों को लेकर जाता है। यह नहर के मध्य में नहर के अंदर तमाम प्रकार की गंदगी पड़ी हुई है इसकी शिकायत कई बार की गई है। परंतु विभाग की लापरवाही रही कि उन्होंने आज तक कोई ध्यान नहीं दिया है इसका सीधा नुकसान किसान को है। इस गंदगी में मवेशी भी कई बार फस जाते हैं विभाग की बहुत ज्यादा लचर व्यवस्था है कई वर्षों से हम देख रहे हैं ऐसे ही चल रहा है। विभाग क्षतिग्रस्त स्थान का सुधार हो साफ सफाई करें ताकि किसान को साफ पानी मिल सके।

कीचड़ वाले गड्ढों में उतरकर पानी भरने मजबूर बनियाटोला के ग्रामीण

पुरानी पाइपलाइन और कम दबाव प्रेशर की समस्या से नहीं पहुँच पा रहा पानी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकार की नल.जल योजना के तहत ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला में

से बारिश के गंदे पानी और कीचड़ से भर चुके हैं। पानी आने के तय समय पर ग्रामीणों को विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को इसी कीचड़ और मलबे वाले गड्ढों के बीच उतरना पड़ता है। पंचायत के द्वारा बारिश के इस मौसम में ही नई पाइपलाइन डालने का काम शुरू तो किया गया है लेकिन वह अभी भी अधूरा है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर तीव्र आक्रोश है कि जिम्मेदारी समस्या पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं और कब तक पूरा काम होगा की पानी सीधे उनके घरों के भीतर आ सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अधूरी पड़ी नई पाइपलाइन को युद्धस्तर पर पूरा कर तुरंत चालू किया जाए। ताकि ग्रामीणों को इस नारकीय स्थिति और कीचड़ भरे गड्ढों में उतरने की मजबूरी से हमेशा के लिए निजात मिल सके।

योजना चालू पर वितरण प्रणाली बनी आफत

बनियाटोला में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की टंकी का निर्माण कर सप्लाई तो शुरू कर दी गई है। जिससे ग्रामीणों को पानी तो मिल रहा है लेकिन पुरानी पाइपलाइन और कम दबाव प्रेशर की समस्या के कारण पानी सीधे घरों तक या ऊंचाई वाले स्थानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। इस तकनीकी खामी का खामियाजा भुगतने के लिए ग्रामीणों ने सड़क किनारे और अपने घरों के सामने दो से चार फीट गहरे गड्ढे खोद रखे हैं ,या कुछ ने पक्का गड्ढा बनवा लिया है ताकि निचले स्तर पर आने वाले पानी को जमा किया जा सके। योजना चालू होने का जो आनंद ग्रामीणों को मिलना चाहिए था वह इस अव्यवस्था के कारण भारी परेशानी में बदल चुका है। वर्तमान में हो रही लगातार बारिश ने इस समस्या को बेहद गंभीर और चिंताजनक बना दिया है। सड़क किनारे खोदे गए ये गहरे गड्ढे अब पूरी तरह पानी की सप्लाई तो चालू है और लोगों को पानी मिल भी रहा है । लेकिन इस पानी को हासिल करने की जो प्रक्रिया है उसने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। योजना चालू होने के बाद भी बुनियादी तालमेल की कमी के कारण आज बनियाटोला के बाशिंदे एक बड़ी मुसीबत का सामना कर रहे हैं। स्थिति यह है कि लोगों को अपने ही घरों के सामने खोदे गए कीचड़ से लबालब गड्ढों में उतरकर पीने का पानी भरना पड़ रहा है।

जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण बनी है यह समस्या - थेनेन्द्र सिंह राजपूत

थेनेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया की नल जल योजना की बहुत स्थिति खराब है पानी मिल रहा है परंतु घर के सामने गहरे गड्ढे हैं करीब ४ फीट के उसमें उतर कर पानी निकाल रहे हैं। बारिश का मौसम है गड्ढे में पानी भर जाता है फिर उसे निकालकर बारिश के बीच पानी भरना पड़ रहा है। यह काफ ी मशक्कत भरा काम है यह स्थिति अकेले कुछ घरों की नहीं बाकी अधिकांश घरों में यही स्थिति है। नई पाइपलाइन डाली जा रही है परंतु कब चालू होगी कोई गारंटी नहीं है इस समस्या को लेकर लंबे समय से हम मांग कर रहे हैं की व्यवस्था बनाई जाए। परंतु आज तक कोई सुधार नहीं किया गया और ना ही कोई ध्यान दिया गया जिस कारण से कई लोगों को तो कीचड़ में पानी भरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

१२ वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

अस्पताल से शव लेकर भागे परिजन पुलिस ने बालाघाट से किया बरामद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कोपे में एक १२ वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक बालक की पहचान पीयूष मेश्राम पिता दिनेश मेश्राम उम्र १२ वर्ष के रूप में हुई है जो कक्षा ६वीं का छात्र था। घटना १ जुलाई की रात करीब ८ बजे की है जब बालक घर में खेल रहा था और अचानक बेहोश हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों के द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन बेहतर इलाज की उम्मीद में शव को लेकर अस्पताल से फरार हो गए। जिससे अस्पताल प्रबंधन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

खेल खेल में अचानक बेहोश हुआ था बालक

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोपे निवासी दिनेश मेश्राम अपने परिवार के साथ रहते हैं और रोज की तरह अपने काम पर गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी और दोनों बेटे थे छोटा बेटा पीयूष स्कूल से लौटने के बाद बकरियां चराने गया था। वहां से आने के बाद वह अपने भाई के साथ घर में खेल रहा था। इसी दौरान बड़ा भाई पानी पीने गया और मां बकरियों को पानी पिलाने चली गई। जब मां वापस लौटी तो उसने देखा कि पीयूष जमीन पर अचेत अवस्था में गिरा हुआ है। परिजन आनन फानन में बालक को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर पहुंचे। जहाँ डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद पीयूष को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा नियमानुसार घटना की जानकारी अस्पताल तहरीर पुलिस को भेज दी गई।

शव को लेकर भागे परिजन पुलिस ने की नाकेबंदी

डॉक्टरों के द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजनों को विश्वास नहीं हुआ और वे बालक के शव को लेकर चुपचाप अस्पताल से भाग निकले। इसकी भनक लगते ही ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ.सत्यम शर्मा ने तुरंत दूरभाष पर पुलिस के उच्चाधिकारियों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस एक्टिव मोड में आ गई और फरार परिजनों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस की एक टीम तुरंत ग्राम कोपे पहुंची वहीं दूसरी टीम नगर के विभिन्न निजी अस्पतालों में खोजबीन करती रही। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि परिजन बालक को लेकर बालाघाट गए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए बालाघाट के एक निजी अस्पताल से शव को अपने कब्जे में लिया और परिजनों को वापस सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर आई। शव को रात में अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया गया। पूछताछ के दौरान परिजनों ने पुलिस को बताया कि वे बालक के बेहतर चेकअप और इलाज की आस में विभिन्न अस्पतालों के चक्कर काट रहे थे। परिजनों से कड़ाई से की गई पूछताछ में यह बात सामने आई कि बालक खेलते समय दांतकोड़ी के भरोसे गिरा था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि गिरने के कारण बालक के गले या गर्दन की हड्डी टूट गई जो उसकी मौत का कारण बनी।

मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा- आशीष वरकडे

उपनिरीक्षक आशीष वरकड़े ने बताया कि परिजनों के अनुसार बालक स्कूल से आने और बकरी चराकर लौटने के बाद भाई के साथ खेल रहा था तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने २ जुलाई की सुबह १० बजे मृतक बालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूरी कर ली है। मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि प्राथमिक रूप से गर्दन की हड्डी टूटने की संभावना जताई जा रही है परंतु मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने ६ सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षको,ग्रन्थपालो एवं क्रीड़ा अधिकारियों की न्याय संगत मांगो से लंबित एवं बार बार ज्ञापन सौंपने एवं चर्चा के उपरांत भी उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा निराकरण नहीं किया जा रहा है। वहीं वर्ष २०२४-२५ में नियुक्त बैकलॉग सहायक प्राध्यापको की परीक्षा अवधि नियुक्त दो वर्ष पश्चात समाप्त कर उन्हें कैरियर उन्नति का लाभ, सेवानिवृत्ति की आयु की वृद्धि के ६५ वर्ष और यू जी सी के प्रावधानुसार पे.मैट्रिक्स . १४ का लाभ, सेवानिवृत्ति शिक्षकों के पेंशन,वेतन,अवकाश सहित ६ सूत्रीय मांगों को लेकर शंकरसाव पटेल महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान तहसील अध्यक्ष डॉक्टर हेमन्त कुमार मंडाले, उपाध्यक्ष रक्षा निकोसे, दोनदत्त सिंह,सचिव त्रिरत्नेश गजभिए, नरेंद्र कुमार डोंगरे,श्रीमती सरिता नागवंशी मौजूद रहे। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा प्रदेश सरकार हमेशा शिक्षकों के साथ खिलवाड़ करती है। हम मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह से मुलाकात कर प्राध्यापकों की मांग का निराकरण करने का प्रयास करेंगे।

जाहिर आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि जिला बालाघाट की तहसील लालबर्रा के अंतर्गत मौजा ग्राम गर्रा स्थित वादग्रस्त भूमि खसरा नम्बर 327/2 रकबा 0.494 हे0, खसरा क्रमांक 556/5 रकबा 0.222 हे0 एवं खसरा नम्बर 556/6 रकबा 0.182 हे0 जो कि वर्तमान में राजस्व अभिलेखों में श्री नारायण पिता स्व. रामसिंह बोपचे निवासी वारासिवनी के नाम पर दर्ज है और जिसको क्रय करने हेतु अनुबंध दिनांक 10/03/2025 क्रेता विशाल बिसेन पिता स्व0 रमाशंकर बिसेन निवासी गर्रा जिला बालाघाट के साथ किया गया है किन्तु माननीय व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में उक्त वादग्रस्त भूमि के संबंध में व्यवहारवाद क्रमांक आर.सी.एस. ए/83 वर्ष 2026 चल रहा है जिसके कारण अनुबंध की शर्त अनुसार उक्त भूमि का विक्रय अनुबंध पत्र के आधार पर पंजीकृत विक्रय पत्र का निष्पादन होकर क्रेता पक्ष को भूमि का स्वामित्व अंतरण होना शेष है इस स्थिति का फायदा उठाकर अनुबंध का विक्रेता पक्ष किसी अन्य को वादग्रस्त भूमि विक्रय करने की फिराक में है । इसीलिए यह जाहिर आम सूचना दी जा रही है कि उक्त वर्णित भूमि को क्रय या विक्रय ना करें अन्यथा आपको कानूनी कार्यवाहियों का सामना करना प ?ेगा ।

वास्ते जाहिर आम सूचना प्रकाशित ।

जाहिर आम सूचनाकर्ता /अनुबंधकर्ता
विशाल बिसेन
पिता स्व0 श्री रमाशंकर बिसेन
निवासी- गर्रा, तहसील- लालबर्रा
जिला- बालाघाट (म.प्र.)
मो0नं0 9407313555

दिल्ली:वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यत: पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की ज? तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम ब?ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है। वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्त्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को स?कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए।

विभागों की मलाई पर तकरार-भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार ?

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है, यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार! तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है - भ्रष्ट +आचार, जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित,गंदा, अनैतिक गलत,आपराधिक,आचार=आचरण, व्यवहार,कार्यकलाप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है. मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के कारणों को समझने की करें तो, हम सभी ने कहीं ना कहीं इसे सिस्टम का हिस्सा मान कर अपना लिया है।हम भ्रष्टाचारियों को कोसते है पर वही अपना काम जल्दी कराने के लिये हम खुद उसे बढ़ावा भी देते हैं।ड्राइविंग लाइसेंस जल्दी नहीं बन रहा, थोड़ा खिला देंगे।पासपोर्ट के लिये पुलिस वेरिफिकेशन में समय लगेगा चलो थोड़ा साहब को खर्चा पानी दे देंगे हेलमेट नहीं पहना है , गाड़ी के कागज नहीं है , ट्रैफिक पुलिस वाले को 100-50 दे कर बच जायेंगे।

सरकारी टेंडर हमें ही मिले इसके लिये सरकारी बाबू को थोड़ा मिठाई भिजवा देते है।और फिर जो पैसा उनकी खातिरदारी में खर्च होगा वो हम काम की गुणवत्ता कम करके खानापूर्ति कर लेंगे 7हमारा इस सब को ले कर 'casual attitude (सब ठीक है) ही इस सब का जिम्मेदार है, सिर्फ सरकारों को कोसने से कुछ नहीं होगा पहला बदलाव हमें खुद से शुरू करना होगा, अपनी सोच में परिवर्तन करके।

साथियों बात अगर हम मलाई वाले विभाग को समझने की करें तो, पुलिस विभाग इतना भ्रष्ट नहीं है, जितना एक दूसरा विभाग है। आज के घोटालों में इस विभाग का बड़ा हाथ होता है, साथ ही यह विभाग इसके संपर्क में आने वाले किसी भी शख्स को नहीं नहीं छोड़ना है। खनन विभाग सबसे भ्रष्ट विभाग हैं। यही एकमात्र विभाग है, जिसमें घोटाले का प्रश्न हमेशा उठता है, यही वह विभाग है जिसका चपरासी से आयुक्त तक नौकरशाह और विभाग का मंत्री जेल की हवा खा चुका है। इसी विभाग में होने वाले घोटाले की राशि अखबार में छपने पर आम आदमी किसी संख्या के पीछे के शून्य (ज़ीरो) कम से कम तीन बार गिनता है।खनन घोटाले के लिए कई नेता और मंत्री भी जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए वही कई पर आरोप लगे! इनमें गायत्री प्रजापति, बीएस येदियुरप्पा, जनार्दन रेड्डी और श्रीनिवास रेड्डी, रमेश पोखरियाल निशंक, जयललिता, सीबू सोरेन और दिगंबर कामत जैसे कई नाम शामिल हैं। इस विभाग के कई आईएएस भी घोटाले में लिप्त पाए जाने से जेल पहुंचे उनमे अशोक सिंघवी और चन्द्र कला प्रमुख हैं।बड़े अंको के घोटाले देने के लिए प्रसिद्ध है, 2012 कोयला का कोयला खदान आवंटन घोटाला 10.7 लाख करोड़ का घोटाला मामले में था, जो अब तक का सबसे बड़ा भारत में होने वाला घोटाला है खनन विभाग के कर्मचारी खदान आवंटन की प्रक्रिया से खनन और विक्रय रॉयल्टी तक में भ्रष्टाचार के नये तरीके निकाल लेते हैं! खनन विभाग के कार्य बालू मिट्टी से सोने का खनन तक है! खनन विभाग ही एकमात्र विभाग है जो मिट्टी के खनन में भ्रष्टाचार की जड़े जमाकर मिट्टी से पैसे बना लेता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि...भ्रष्ट+अचार ञ भ्रष्टाचार-लोकनिर्माण, सरकारी टेंडर,गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है? विभागों की मलाई पर तकरार-भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार ?भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं ऑफीसरों बाबुओं द्वारा रिश्वत लेना ही नहीं,बल्कि स्वार्थ सिद्धि द्वारा किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

जीवन का माधुर्य मानवता का प्रकाश

-कांतिलाल मांडोत

मानवता से महकता है जीवन

भगवान महावीर ने मानव जीवन का सबसे बड़ा संदेश मानवता को माना है। उनका स्पष्ट कथन था कि मनुष्य सबसे पहले मानवता को अपने जीवन में धारण करे, क्योंकि मानवता ही जीवन का वास्तविक माधुर्य है। जिस प्रकार एक फूल बिना किसी को बुलाए अपनी सुगंध से पूरे वातावरण को महका देता है और भौंरे स्वयं उसकी ओर आकर्षित होकर चले आते हैं, उसी प्रकार जिस व्यक्ति के भीतर मानवता के गुण विकसित हो जाते हैं, उसका जीवन अपने आप समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का कल्याण करने वाला बन जाता है। मानवता का अर्थ केवल मनुष्य का शरीर धारण करना नहीं है, बल्कि अपने विचारों, व्यवहार, वाणी और कर्मों में प्रेम, करुणा, दया, विनम्रता और सेवा की भावना को विकसित करना है। यही गुण जीवन को मधुर बनाते हैं और मनुष्य को सच्चे अर्थों में महान बनाते हैं।

मनुष्य को ईश्वर ने मन, वाणी और इन्द्रियों जैसी अमूल्य शक्तियाँ प्रदान की हैं। इनका उद्देश्य केवल भौतिक सुख प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मविकास और समाजहित में उनका सदुपयोग करना है। यदि मन शुभ विचारों से भरा होगा, वाणी मधुर होगी और इन्द्रियाँ संयमित होंगी तो जीवन स्वत: सार्थक बन जाएगा। इसके विपरीत यदि मन ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध और अहंकार से भर जाए तो मनुष्य का जीवन अशान्ति और संघर्ष का कारण बन जाता है। शरीर से मनुष्य होने के बावजूद यदि उसकी सोच हिंसक, स्वार्थी और क्रूर हो जाए तो वह मानवता से दूर होकर पाशविक प्रवृत्तियों का शिकार बन जाता है। तब उसके भीतर भेडि़ए की आक्रामकता, सर्प की विषैली प्रवृत्ति और कुत्ते जैसी लड़ाकू मानसिकता दिखाई देने लगती है। भगवान महावीर का संदेश है कि मनुष्य समय-समय पर अपने भीतर झाँके और देखे कि कहीं ऐसी प्रवृत्तियाँ उसके जीवन में तो प्रवेश नहीं कर रही हैं। मानवता का सबसे महत्वपूर्ण आधार भद्रता और सरलता है। आज के समय में सरल और निष्कपट व्यक्ति को अक्सर मूर्ख समझ लिया जाता है, जबकि वास्तविक महानता उसी में निहित है। जो व्यक्ति छल, कपट और दंभ से मुक्त होकर बालक की तरह निर्मल हृदय रखता है, वही सच्चा भद्र मनुष्य कहलाता है। लेकिन केवल सरल होना ही पर्याप्त नहीं है। उसके साथ विवेक का प्रकाश भी आवश्यक है। विवेक मनुष्य को सही और गलत का अंतर समझाता है तथा उसे उचित मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यदि सरलता के साथ विवेक जुड़ जाए तो जीवन संतुलित और सफल बन जाता है। मानव जीवन में विनय का विशेष महत्व है। भगवान महावीर ने धर्म का मूल ही विनय को बताया है। विनम्रता मनुष्य को ज्ञान प्राप्त करने योग्य बनाती है। अभिमान से भरा हुआ व्यक्ति चाहे कितना भी विद्वान क्यों न हो, वह जीवन का वास्तविक ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। जिस प्रकार हीरा सोने में जड़ा जाता है क्योंकि उसमें लचीलापन होता है, उसी प्रकार अहिंसा, सत्य, दया, प्रेम और करुणा जैसे महान गुण उसी व्यक्ति के जीवन में स्थान पाते हैं, जिसके भीतर विनम्रता होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन को सोने के समान विनम्र और मूल्यवान बनाना चाहिए। हालांकि भगवान महावीर यह भी बताते हैं कि दिखावटी नम्रता से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि दुष्ट व्यक्ति अक्सर झुककर ही दूसरों को धोखा देता है। इसलिए विनय के साथ विवेक का होना भी आवश्यक है।

अहंकार मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण है। रावण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वह स्वयं को सबसे श्रेष्ठ मानता था और इसी अहंकार ने उसका सर्वनाश कर दिया। इसके विपरीत विनम्र व्यक्ति निरंतर सीखता है, आगे बढ़ता है और समाज में सम्मान प्राप्त करता है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्य को समझता है और दूसरों के हित को अपने हित से ऊपर रखता है, उसका जीवन वास्तव में सफल माना जाता है। मानवता का अर्थ केवल अच्छे विचार रखना नहीं, बल्कि उन्हें व्यवहार में उतारना भी है। मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति भावना की पवित्रता में दिखाई देती है। मासखमण के एक तपस्वी संत के सामने एक निर्धन बालक का प्रसंग इसका अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। बालक की माता अत्यंत गरीब थी, लेकिन उसने मेहनत करके दूध, चावल और शक्कर एकत्र किए और अपने पुत्र के लिए खीर बनाई। जब संत उसके घर पहुँचे तो बालक ने अत्यंत श्रद्धा और आनंद के साथ पूरी खीर उनके पात्र में अर्पित कर दी। संत ने जब पूछा कि अपने लिए कुछ क्यों नहीं रखा, तब बालक ने कहा कि आज उसकी सबसे बड़ी इच्छा पूरी हो गई है, इसलिए अब उसे न भूख है और न प्यास। यह केवल भोजन का दान नहीं था, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और विनय की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी। यही भाव दान को महान बनाते हैं और यही मानवता का वास्तविक स्वरूप है।

ऐसी ही एक घटना एक गरीब बनिए की भी है, जो लोगों के घर पानी भरकर अपना जीवन चलाता था। उसने संत से आग्रह किया कि वे कभी उसके घर भी पधारें। जब संत उसके घर पहुँचे तो वहाँ केवल कच्चे पापड़ थे। संत ने प्रेमपूर्वक वही स्वीकार किए और उन्हें अत्यंत आनंद के साथ ग्रहण किया। उस साधारण पापड़ में श्रद्धा, प्रेम और आत्मीयता का जो स्वाद था, वह किसी राजभोग से कम नहीं था। उसी क्षण सुदामा और श्रीकृष्ण की कथा स्मरण हो आती है, जहाँ मुट्ठी भर चावलों में भी प्रेम का अनमोल धन समाया हुआ था। वस्तु का मूल्य उसके आकार या कीमत से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी भावना से होता है। आज समाज में दान और सेवा के पीछे भी अक्सर प्रसिद्धि और स्वार्थ की भावना दिखाई देती है। थोड़ी-सी सहायता देकर लोग बड़े फल की अपेक्षा करने लगते हैं। जबकि वास्तविक दान वही है जिसमें प्रदर्शन नहीं, बल्कि समर्पण हो। बीज जब धरती में दबता है तभी विशाल वृक्ष बनता है। उसी प्रकार निस्वार्थ भाव से किया गया दान ही समाज और आत्मा दोनों का कल्याण करता है। भावना का माधुर्य ही दान को अमर बना देता है। यही कारण है कि बालक की निष्कपट भावना को इतना महान माना गया कि उसका जीवन अगले जन्म में भी पुण्य का अधिकारी बना। भगवान महावीर का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। संसार में शांति, सद्भाव और प्रेम की स्थापना केवल कानूनों से नहीं, बल्कि मानवता के गुणों से ही संभव है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी वाणी में मधुरता, व्यवहार में विनम्रता, विचारों में पवित्रता और कर्मों में करुणा को स्थान दे, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी सुख, शांति और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। मानवता ही जीवन का वास्तविक सौंदर्य, वास्तविक धर्म और वास्तविक सफलता है। यही वह सुगंध है जो व्यक्ति के जीवन को अर्थपूर्ण बनाती है और उसके व्यक्तित्व को युगों तक प्रेरणा का स्त्रोत बनाए रखती है।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पृथ्वी आज जिस सबसे ब? पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँक?ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्त्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें। प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुन: उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए। आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुन: उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छो? दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वत: कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पी?ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'

' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है। आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। निचले भावों पर पूछपरख से अनाज मंडी में चना बाजार सुर्खी पर रहे। तुअर, उड़द में मजबूती रही। खाद्य तलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से बाजार सुर्खी पर रहे। तुअर, उड़द में बाजार मजबूती बनाये रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6800 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2000-2050, (160) 2350-2400, (200) 2500-2550, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2470, सोया साल्वेंट 1360-1365, सोया रिफाइंड 1455, कपास्या 1470, धूलिया 1465, कड़ी 1465,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1570, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1455,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100, एवरेज 5900-5950, विशाल 5900, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5800-5850, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 230000, चाँदी (99) 229800, टंच 229200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 16 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 26 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों के पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर पर लौटने से रुपये ने सकारात्मक शुरुआत की है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूत होकर 94.90 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 26 पैसे की बढ़त दिखता है। रुपया बुधवार को 60 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 101.38 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई सहित दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावना के साथ ही कच्चे तेल में गिरावट से से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 भी 169.85 अंक उछलकर 24,175.70 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयर बढ़त पर बंद हुए। इस दौरान इन्फोसिस में सबसे ज्यादा तेजी रही। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस और बजाज फिनसर्व के शेयर भी उछले रही। वहीं लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा मारुति, बीईएल, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, रिलायंस, एनटीपीसी, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी टूटे।

दूसरी ओर निफ्टी में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.25 फीसदी उछाल आया। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़त रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी के शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अच्छी बढ़त दर्ज की। सुबह निफ्टी 76.10 अंक की बढ़त के साथ 24,081.95 पर कारोबार कर रहा था, जबकि सेंसेक्स 235.79 अंक चढ़कर 77,158.43 पर पहुंच गया। मुख्य सूचकांकों के साथ-साथ व्यापक बाजार में भी खरीदारी का रुझान रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 0.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.43 फीसदी ऊपर रहे।

अब पहले से आसान हुआ ईपीएफ से पैसा निकालना! सरकार ने लागू की नई योजना

नई दिल्ली। एजेंसी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना, 2026 को अधिसूचित किया है, जो 1952 की पुरानी योजना की जगह लेगी। इसका लक्ष्य ईपीएफ निकासी को सरल बनाना, डिजिटल अनुपालन मजबूत करना और ट्रस्टों की निगरानी प्रभावी बनाना है। यह योजना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। नई व्यवस्था के तहत कर्मचारियों और नियोक्ताओं का 12-12 फीसदी वेतन अंशदान पहले की तरह ही रहेगा; कुछ संस्थानों के लिए 10 फीसदी का प्रावधान जारी रहेगा। नई योजना आंशिक निकासी नियमों को सरल बनाती है। अब बीमारी, शिक्षा, विवाह, आवास और विशेष परिस्थितियों जैसी तीन श्रेणियों में कर्मचारी पात्र शेष राशि का 100 फीसदी तक निकाल सकेंगे, पर कुल जमा का कम से कम 25 फीसदी खाते में रखना अनिवार्य होगा। सभी ईपीएफ लेनदेन के लिए आधार, पैन और आधार-लिंक्ड बैंक खाते का विवरण देना अनिवार्य होगा। महामारी या राष्ट्रीय आपदा की स्थिति में, केंद्र सरकार अधिकतम तीन माह तक ईपीएफ अंशदान को कम या स्थगित कर सकती है। ईवाई इंडिया के पुनीत गुप्ता के अनुसार, यह श्रम संहिताओं को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो ईपीएफ व्यवस्था को अधिक डिजिटल, सरल और पारदर्शी बनाएगा। कंपनियों के लिए भी ठेकेदारों के अनुपालन, इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग और ईपीएफ ट्रस्टों की रिपोर्टिंग से जुड़े नियम सख्त किए गए हैं।

रिकॉर्ड स्तर पर रूसी तेल आयात, भारत की बदलती ऊर्जा रणनीति

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट और भू-राजनीतिक बदलावों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। जून महीने में भारत ने रूस से रिकॉर्ड 25.8 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात किया है, जो पश्चिमी देशों से आपूर्ति में कमी और चीन की घटती मांग के बाद रूस द्वारा दिए जा रहे सस्ते तेल का सीधा परिणाम है। मैरिटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। चीन द्वारा कच्चे तेल की खरीद में भारी कटौती के बाद, रूस भारत को प्रति बैरल 2 से 5 डॉलर की छूट पर तेल उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि मार्च से मई के बीच, जब कई देश तेल की आपूर्ति सुरक्षित करने की होड़ में थे, तब भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल के लिए 13 से 15 डॉलर प्रति बैरल तक अतिरिक्त कीमत चुकानी पड़ रही थी। जून में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही। इसके अतिरिक्त, इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लगभग 5.10 लाख बैरल और वेनेजुएला से 3.60 लाख बैरल कच्चा तेल आयात किया गया। भारतीय रिफाइनरियां अब अपनी खरीद रणनीति में बदलाव करते हुए रूस के अलावा वेनेजुएला, ब्राजील और अंगोला जैसे नए देशों से भी कच्चा तेल खरीद रही हैं, ताकि आपूर्ति में किसी तरह की कमी न हो। 29 जून तक, भारत का कुल कच्चे तेल का आयात 49.2 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 47 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक है। कच्चे तेल के साथ-साथ, भारत के एलपीजी आयात में भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया है। जून में अमेरिका भारत को एलपीजी का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा, जिसकी कुल आयात में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। अमेरिका ने लगभग 7.7 लाख टन एलपीजी की आपूर्ति की। हालांकि, कुल एलपीजी आयात 11.91 लाख टन रहा, जो संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर का लगभग आधा है।

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशियों की मीठी दस्तक लेकर आया है। आसपास का माहौल सकारात्मक रहेगा और कोई सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेर सकता है। संतान की पढ़ाई या करियर से जुड़ी चिंताओं का समाधान बातचीत और समझदारी से निकलता दिखाई दे रहा है। कार्यक्षेत्र में भी आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपको सुकून, स्वादिष्ट भोजन और कुछ अच्छी खबरों का आनंद दे सकता है। रोजगार की तलाश में जुटे लोगों के लिए कोई नया अवसर दस्तक दे सकता है। आर्थिक मामलों में ईमानदारी और धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना ठीक नहीं रहेगा।

मिथुन- आज आर्थिक मामलों में हर कदम सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता है। कोई भी बड़ा वित्तीय निर्णय जल्दबाजी में न लें। यदि कहीं यात्रा या आने-जाने का कार्यक्रम बनता है, तो उसी दौरान आपको कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो भविष्य में लाभ का कारण बने। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कर्क- आज रिश्तों में मिठास और जीवन में नई संभावनाओं की आहट सुनाई दे सकती है। वैवाहिक जीवन पहले से अधिक सुखद रहेगा और जीवनसाथी को कोई नया अवसर मिलने से पूरे परिवार में खुशी का माहौल बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधाएं भी दूर होती दिखाई दे रही हैं।

सिंह- आज आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। समाज और कार्यक्षेत्र दोनों जगह लोग आपके व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना कर सकते हैं। हालांकि कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय में अटक सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। कोई पुराना अधूरा कार्य पूरा होकर आपको राहत देगा।

कन्या- आज भाग्य आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलता दिखाई देगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको आत्मविश्वास और मानसिक शांति प्रदान करेगा। संतान के भविष्य को लेकर कुछ चिंताएं मन में आ सकती हैं, लेकिन आपके प्रयास उन्हें सही दिशा देंगे। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं का लाभ मिलने की संभावना है।

तुला- आज का दिन लंबे समय से रुके हुए कार्यों को पूरा कराने की क्षमता रखता है। यदि कोई पुराना लेन-देन अटका हुआ था, तो उसमें राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य के मामले में विशेष रूप से पेट से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी चुनौती महसूस हो सकती है, लेकिन धैर्य और निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य मिलेगी। जीवनसाथी के लिए किया गया कोई छोटा-सा सरप्राइज रिश्तों में नई मिठास घोल सकता है। आय में वृद्धि और परिवार के साथ यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

वृश्चिक- आज आपको आर्थिक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता होगी। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन यदि आप योजनाबद्ध तरीके से चलेंगे तो सब कुछ नियंत्रित रहेगा। अपने शौक और घर की सुविधाओं पर खर्च करने का मन बन सकता है। घर के नवीनीकरण या सजावट से जुड़े कार्य भी शुरू हो सकते हैं। माता जी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र से जुड़ी कोई अच्छी खबर, प्रशंसा या पदोन्नति का संकेत भी आपके मन को प्रसन्न कर सकता है।

धनु- आज का दिन आपको धैर्य और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की सलाह दे रहा है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। पिताजी का मार्गदर्शन किसी महत्वपूर्ण मामले में आपके लिए लाभदायक साबित होगा। संतान की खुशी के लिए आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, जैसे नया वाहन खरीदने का विचार। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों की बातों को गंभीरता से लें। आपकी कोई पुरानी मनोकामना पूरी हो सकती है और घर में धार्मिक आयोजन या पूजा-पाठ का वातावरण भी बन सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए नए अवसरों और नए विचारों का द्वार खोल सकता है। आपकी बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता आपको किसी नए कार्य की शुरुआत करने के लिए प्रेरित करेगी। मन में कुछ उलझनें जरूर रह सकती हैं, लेकिन किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके चेहरे पर मुस्कान वापस ले आएगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रखें और उसी दिशा में आगे बढ़ें।

कुंभ- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता आपको कई मामलों में बढ़त दिला सकती है। परिवार की किसी पुरानी समस्या का समाधान आपकी पहल से निकल सकता है। जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करके आपको भीतर से संतोष मिलेगा। प्रॉपर्टी या घर से जुड़ा कोई अवसर सामने आ सकता है, जिसके लिए आर्थिक योजना बनाने की जरूरत होगी।

मीन- आज स्वास्थ्य आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। शरीर के संकेतों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। व्यापार या आर्थिक मामलों में किसी नए व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करने से बचें। कोई व्यक्ति मीठी बातों से आपको प्रभावित करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लें। प्रॉपर्टी और जमीन-जायदाद से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल संकेत दे रहा है।

शब्दजाल - 8308

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका, बांग्लादेश, भारत, इंग्लैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	र	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ला	लं	जी	तू	फ्री	इ	र्नि
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श्र	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल - 8307 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.22 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	08.38 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.01 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.15 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.31 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.36 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.23 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.56 बजे से
राहुकाल		मेष	00.26 बजे से
10.30 से		वृष	02.06 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	04.04 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 184 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 11.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 11.47 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 17.00 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.21 बजे तदनन्तर बव 00.04 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 58'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872759
जूलियन दिन 2461224.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 17
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पुण्य का असली फल

महाकुंभ से जुड़ी एक पुरानी कथा है। सभी मुख्य स्नान संपन्न हो गए तो एक संत ने सपना देखा कि प्रयागराज, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, गंगा एवं अन्य सभी तीर्थ इस पर विचार कर रहे हैं कि स्नान का सबसे अधिक पुण्य किसे मिला है। देवप्रयाग ने कहा, ''सबसे अधिक पुण्य रामू के हिस्से गया है। वह केरल के एक गांव में रहता है'। गंगा ने कहा, 'मेरे किसी घाट पर तो वह आया नहीं'। अन्य तीर्थों ने कहा, 'वह स्नान करने तो नहीं आया, लेकिन पुण्य उसे ही मिला है। वह जूते गांठता है बेचारा। कुंभ के लिए दो-दो पैसे बचाता था'। इतने में संत की आंख खुल गई। वह खोजबीन के लिए चल पड़े केरल की ओर। अंततः स्वप्न में दिखे स्थान पर पहुंचे तो बात सच निकली। एक जूते गांठने वाले को बुलाकर पूछा, 'तेरा नाम रामू है?' उस व्यक्ति ने कहा, 'हां महाराज'। कुंभ के बारे में पूछने पर वह बोला, 'मैं जूते बनाकर बेचता हूं। कुंभ जाना चाह रहा था। किंतु मेरी पत्नी मां बनने वाली है। उसको मेथी की सब्जी की सुगंध आई तो खाने की बड़ी इच्छा हुई। मैं पड़ोस में, जहां से सब्जी की सुगंध आ रही थी, पहुंचा। पड़ोसन ने कहा कि सब्जी तो ले जाओ, पर यह आपके खाने लायक नहीं है क्योंकि एक सप्ताह से पति गरीबी के कारण कुछ भी लाने में असमर्थ हैं। कहीं कुछ मिल जाए, इस चक्कर में वह इधर-उधर घूमते हुए श्मशान की तरफ गए। किसी ने अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए मेथी की सब्जी और थोड़ा आटा रखा था। वह चुपचाप उठाकर ले आए। उनकी वह हालत देखकर मेरी अंतरात्मा पिघल गई। पड़ोस में लोग भूख से छटपटा रहे हैं, फिर मैं तीर्थ करने क्या जाऊं। मेरे पास जो रुपये थे, उससे कुछ जरूरी सामान लाकर मैं उस पड़ोसी के घर में चुपके से रख आया।' रामू की यह बात सुनकर संत समझ गए कि उसे कुंभ का पुण्य क्यों मिला है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7252

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्रिहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7251

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7561

★★★✫✩ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7560 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8776

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8775 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

महाराष्ट्र सीमा से लगे ग्राम में गुपचुप चल रही गुड़ाखू फैक्ट्री

तंबाकू की तीखी गंध, बिना सुरक्षा मानकों के घंटों काम कर रहे मजदूर.....आखिर किसकी निगरानी में चल रहा यह कारोबार?

पद्मेश न्यूज। लांजी।

महाराष्ट्र की सीमा से महज कुछ किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की लांजी तहसील का छोटा सा ग्राम कुल्पा इन दिनों एक ऐसे कारोबार का गवाह बना हुआ है, जिसकी भनक तक जिम्मेदार विभागों को नहीं लगने की चर्चा है। गांव के बीचों-बीच संचालित एक गुड़ाखू निर्माण इकाई में दिनभर तंबाकू और गुड़ की राब का मिश्रण तैयार होता है, डिब्बियों पर शिवनाथ गुड़ाखू के लेबल चिपकाए जाते हैं और यह पूरा काम ऐसे चलता है मानो किसी सरकारी नियम-कायदे का यहां कोई अस्तित्व ही न हो। सबसे हैरानी की बात यह है कि ग्रामीणों के अनुसार इस इकाई का संचालन महाराष्ट्र के गोंदिया जिले का एक कारोबारी कर रहा है। सवाल यह नहीं कि कारोबार कौन कर रहा है, बल्कि यह है कि यदि सब कुछ वैध है तो स्थानीय पंचायत, संबंधित विभागों और अन्य सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष इसकी वैधानिक अनुमति और लाइसेंस क्यों दिखाई नहीं दे रहे? फैक्ट्री के भीतर काम कर रहे मजदूरों की हालत और भी चिंताजनक दिखाई देती है। कोई मास्क नहीं, हाथों में दस्ताने नहीं, आंखों पर सुरक्षा चश्मा नहीं। तंबाकू की धूल और निकोटीन के बीच घंटों काम करना उनकी मजबूरी बन चुका है। शायद उन्हें

यह मालूम भी नहीं कि लगातार निकोटीन के संपर्क में रहने से त्वचा, फेफड़ों और शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। पेट की आग बुझाने निकले ये मजदूर अनजाने में अपने स्वास्थ्य को दांव पर लगा रहे हैं।

नियमों की सूची लंबी, पालन कहीं दिखाई नहीं दिया

गुड़ाखू जैसी तंबाकू उत्पाद निर्माण इकाई के संचालन के लिए तंबाकू निर्माण संबंधी वैधानिक अनुमति, फैक्ट्री पंजीयन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति, स्थानीय निकाय की अनुमति, अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र सहित कई कानूनी प्रक्रियाएं आवश्यक होती हैं। जबकि इस संबंध में ग्राम पंचायत कुल्पा से ऐसी कोई अनुमति जारी नहीं की गई है। फैक्ट्री स्थल पर कर्मचारियों द्वारा तैयार डिब्बियों पर शिवनाथ गुड़ाखू के लेबल लगाए जाते दिखाई दिए। अब यह जांच का विषय है कि इस ब्रांड का अधिकृत निर्माता कौन है, इसका ट्रेडमार्क किसके नाम पंजीकृत है और ग्राम कुल्पा स्थित इकाई को इस ब्रांड के निर्माण अथवा पैकेजिंग की वैधानिक अनुमति प्राप्त है या नहीं। वहीं इस मामले में यह भी एक महत्वपूर्ण पहलू है कि महाराष्ट्र की सीमा से सटे इस गांव को ही निर्माण इकाई के लिए क्यों चुना गया। क्या यह केवल व्यावसायिक सुविधा है या इसके पीछे कोई और कारण है? इसका उत्तर केवल सक्षम विभागों की जांच ही दे सकती है।

बिना नाम-पते की फैक्ट्री, पहचान सिर्फ गुड़ाखू फैक्ट्री

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस भवन में यह फैक्ट्री संचालित हो रही है, उसके बाहर कहीं भी फैक्ट्री का नाम, पंजीयन क्रमांक, कंपनी का बोर्ड, लाइसेंस संबंधी जानकारी अथवा किसी प्रकार का संकेतक अंकित नहीं मिला। दूर से देखने पर यह एक सामान्य भवन जैसा दिखाई देता है, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति के लिए यह समझ पाना मुश्किल है कि भीतर तंबाकू उत्पाद का निर्माण किया जा रहा है। क्षेत्र के लोग भी इस इकाई को किसी कंपनी के नाम से नहीं, बल्कि केवल गुड़ाखू फैक्ट्री के नाम से जानते हैं। यदि यह इकाई पूरी तरह वैध रूप से संचालित हो रही है, तो फिर इसकी पहचान सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित क्यों नहीं की गई? भवन पर नाम, पंजीयन या लाइसेंस संबंधी जानकारी का अभाव जांच का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है, जिसकी पुष्टि संबंधित विभागों को मौके पर पहुंचकर करनी चाहिए।

इनका कहना है

हमारे द्वारा उक्त फैक्ट्री के संचालन के लिये किसी प्रकार की कोई एनओसी नहीं दी गई है और न ही फैक्ट्री संचालक द्वारा हमसे कोई संपर्क किया गया है। इस संबंध में मेरे द्वारा जानकारी लेने के लिये अपने प्रतिनिधी को भेजा गया था परंतु उन्हें भी फैक्ट्री के कर्मचारियों ने कोई जानकारी नहीं दी।

श्रीमती सुनैना जतिन नगपुरे
सरपंच, ग्राम पंचायत कुल्पा

इस संबंध में आपको द्वारा अवगत कराया गया है, क्षेत्र में अगर इस तरह कोई बिना प्रशासनिक अनुमति के फैक्ट्री का संचालन कर रहा है तो उन्हें इस संबंध में प्रशासन को अवगत कराना चाहिए था। जांच टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और फैक्ट्री का संचालन अगर नियम विरूद्ध होगा तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लांजी

विकसित भारत जी राम जी एक्ट का शुभारंभ

ग्राम पंचायत मोहझरी में हुआ जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। मनरेगा अधिनियम की जगह 1 जुलाई 2026 से लागू हुई वीबीजीरामजी योजना (विकसित भारत जी राम जी योजना) के शुभारंभ पर जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत मोहझरी में किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर वेब कास्टिंग के माध्यम से नए अधिनियम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें रोजगार, कार्य योजना एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंचाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों द्वारा पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्वागत किया गया। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र सेवाइवार जनपद पंचायत लांजी ने कार्यक्रम के उद्देश्य और वीबीजीरामजी योजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने योजना पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने वीबीजीरामजी एक्ट के बारे में विस्तृत उद्बोधन दिया और ग्रामीणों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान मुख्य रूप से विधायक राजकुमार कर्राहे, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाडे, रेवाजी कर्राहटकारे, सीताराम रावते, श्रीमती मनीषा नाकतोडे, सरपंच मोहझरी, श्रीमती रीता रावते

उपसरपंच मोहझरी, सरपंच सावरीकला, सरपंच टेमनी, सरपंच चिखलामली, प्रभारी सीईओ, सहायक यंत्री टी.पी. परते, जितेंद्र सेवईवार एएओ, श्रीमती सुनीता तिवारी पीसीओ, दीपक रामटेके उपयंत्री, सुरेश कुहाने, महेश मेश्राम, परमानंद बोरकर, अतीत फूलमारी (एनआरएलएम) सहित समीपस्थ ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, श्री पटले (सचिव मोहझरी) एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व ग्रामीण जनसमूह उपस्थित रहे।

हॉक फोर्स के सहायक सेनानी चंचलेश मरकाम बने एसडीओपी सिवनी, बंधनखेड़ो कैंप में दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना बिरसा हॉक फोर्स एसटीजी-07 पुलिस चौकी बंधनखेरो में सहायक सेनानी के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले चंचलेश मरकाम के एसडीओपी सिवनी पद पर पदस्थ होने के उपरांत 1 जुलाई को हॉक फोर्स एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो में उनके सम्मान में विदाई समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निरीक्षक मोहन मरावी, सहायक उप निरीक्षक बृजेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक हरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक कमलेश कोल सहित एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो के समस्त अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने श्री मरकाम को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हॉक फोर्स में अपने कार्यकाल के दौरान चंचलेश मरकाम ने नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण अभियानों का सफल नेतृत्व करते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी कार्यकुशलता, साहसिक निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा की विभागीय अधिकारियों एवं जवानों द्वारा सदैव सराहना की गई। श्री मरकाम ने केवल सुरक्षा अभियानों तक ही अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस और आमजन के बीच विश्वास एवं समन्वय

स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सरल, सौम्य और मिलनसार व्यवहार के कारण स्थानीय ग्रामीणों के साथ उनके आत्मीय संबंध बने रहे, जिससे पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित हुआ। विदाई समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकारियों एवं जवानों ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री मरकाम ने अपने कार्यकाल में अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया है तथा उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ अब सिवनी जिले को मिलेगा। समारोह के अंत में एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो के अधिकारियों एवं जवानों ने श्री चंचलेश मरकाम को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा एसडीओपी सिवनी के रूप में उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी।

महाविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का किया गया स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह सत्र 2026-27 कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों की महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' परीक्षा प्रणाली , कैरियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति योजनाएँ, एंटीरैगिंग संबंधी प्रावधान, रेड रिबन, रेड क्रास तथा महाविद्यालय वातावरण से परिचय कराना हैं। कार्यक्रम की श्रृखंला में महाविद्यालय के प्रवेश प्रभारी द्वारा प्रोफेसर दीपक धुवारे द्वारा प्रवेश संबंधी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। साथ ही महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ द्वारा अलग-अलग विषयों पर जानकारी दी गई जिसमें महाविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक की उपलब्धियों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। उन्हे ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' मानसिक स्वास्थ्य उत्पीड़न एंटी रैगिंग प्रावधान तथा महाविद्यालय में संचालित गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड-रिबन, रेड-क्रास, खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के छात्रवृत्ति प्रभारी द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, गाँव की बेटी योजना, आवास सहायता योजना तथा अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ का योगदान रहा।

पुलिस ने बनाई सात विशेष टीमें, आरोपियों की सूचना देने पर 10 हजार रुपए का इनाम

पद्मेश न्यूज। लांजी। वार्ड क्रमांक 11 निवासी सराफा व्यवसायी कपिल आसटकर के साथ 28 जून 2026 की रात्रि हुई लूट की घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार जुटी हुई है। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में व्यापक स्तर पर जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीओपी लांजी श्रीमती प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में सात अलग-अलग विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम का प्रभारी उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को बनाया गया है। सभी टीमें घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की गहनता से जांच कर रही हैं तथा छोटे-छोटे बिंदुओं और संभावित कारणों का सूक्ष्म विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है। यदि किसी व्यक्ति ने 28 जून 2026 की रात्रि लगभग 8 बजे घटना के दौरान या घटना के बाद तीन मोटरसाइकिलों पर सवार संदिग्ध आरोपियों को देखा हो, अथवा उन्हें बैग लेकर मोटरसाइकिल या पैदल भागते हुए देखा हो, या उनके हुलिये अथवा उपयोग की गई मोटरसाइकिल के संबंध में कोई जानकारी हो, तो तत्काल थाना लांजी में सूचना दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी। साथ ही, उपयोगी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने वाले को 10,000 रुपए का नगद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि इस गंभीर मामले के शीघ्र खुलासे में सहयोग करें तथा किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को बिना विलंब पुलिस

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

'अपनों' के निशाने पर दिग्गी राजा

मप्र कांग्रेस में बढ़ा गुटीय संघर्ष, वरिष्ठ नेताओं की खुली बयानबाजी से संगठन असहज

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस में लंबे समय से अंदरखाने चल रहा शक्ति संघर्ष अब खुलकर सामने आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बीच उभरे मतभेद अब दिल्ली तक पहुंच चुके हैं। लगातार हो रही सार्वजनिक बयानबाजी, नेताओं के एक-दूसरे पर हमले और दिल्ली भेजी गई शिकायतों ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, शीर्ष नेतृत्व ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है और संगठन में जल्द बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा। राज्यसभा चुनाव के बाद शुरू हुआ असंतोष अब खुले गुटीय संघर्ष का रूप ले चुका है। स्थिति यह है कि पार्टी के विधायक, पूर्व मंत्री और संगठन पदाधिकारी अलग-अलग बयान देकर नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। इससे कांग्रेस की एकजुटता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पिछले एक सप्ताह में कांग्रेस के कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से दिग्विजय सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला। विधायक आरिफ मसूद और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने उन पर तीखी टिप्पणी की, जबकि विधायक प्रवीण पाठक ने सवाल उठाया कि कार्यकर्ता आखिर किसकी बात मानें—दिग्विजय सिंह की या जीतू पटवारी की। प्रदेश महामंत्री निधि सत्यव्रत चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर वरिष्ठ नेताओं को प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। बढ़ते विवाद के बीच तेजा प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पहले जीतू पटवारी और फिर दिग्विजय सिंह से अलग-अलग मुलाकात की। भोपाल स्थित दिग्विजय सिंह के आवास पर हुई बंद कमरे की बैठक को संगठन में डैमेज कंट्रोल की कोशिश माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि दिग्गी नेतृत्व के निर्देश पर सिंघार दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित करने में जुटे हैं।

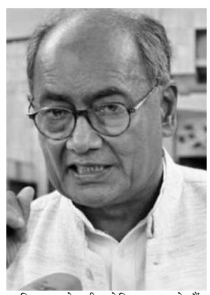

अंदरूनी लड़ाई बढ़ी

मप्र में दो दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर कांग्रेस 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में संगठन को मजबूत करने में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी लगातार संगठनात्मक बैठकों और आंदोलनों के जरिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर पार्टी के भीतर दिग्गज नेताओं से लेकर छात्र संगठनों तक सामने आ रहे विवाद कांग्रेस की एकजुटता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। हाल के दिनों में उज्जैन भूमि आवंटन विवाद पर नेताओं के अलग-अलग बयान, यूथ कांग्रेस की बैठक में धक्का-मुक्की और एनएसयूआई में अनुशासनहीनता जैसे घटनाक्रमों ने संगठन के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस इन अंदरूनी मतभेदों को खत्म कर 2028 और 2029 के चुनाव से पहले खुद को मजबूत कर पाएगी?

संगठन में बदलाव के संकेत

दिल्ली में पहुंची शिकायतों और लगातार बढ़ते विवाद से पार्टी हाईकमान नाराज बताया जा रहा है। संगठन में बड़े बदलाव की चर्चा तेज है। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी की जिम्मेदारी बदली जा सकती है। हालांकि, इस पर अभी कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है। पूरे घटनाक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की खामोशी भी राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कई नेता मानते हैं कि मौजूदा हालात में उनका रुख संगठन की दिशा तय करने में अहम हो सकता है।

राहुल गांधी से हस्तक्षेप की मांग

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने भी सोशल मीडिया के जरिए राहुल गांधी से हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर बढ़ता टकराव कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर कर रहा है और संगठनात्मक एकता बनाए रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को तत्काल पहल करनी चाहिए। कांग्रेस में यह विवाद अब केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं रह गया है। मामला संगठनात्मक नेतृत्व, गुटीय संतुलन और आगामी चुनावी रणनीति से जुड़ गया है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो इसका असर पार्टी की राजनीतिक सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती पर पड़ सकता है।

चुनाव से पहले बड़ी चुनौती

लगातार सामने आ रहे इन घटनाक्रमों ने कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे और अनुशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर पार्टी प्रदेश सरकार को घेरने की रणनीति बना रही है, वहीं दूसरी ओर नेताओं और छात्र संगठनों के भीतर बढ़ती खींचतान संगठन की एकजुटता पर असर डालती दिख रही है। ऐसे में 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने संगठन को एकजुट और अनुशासित बनाए रखने की होगी।

श्योपुर विधायक बाबू जंडेल का मोबाइल हैक

- उनके नंबर से 60 हजार रुपए मांगने के फर्जी मैसेज भेजे; पुलिस में शिकायत दर्ज

भोपाल। श्योपुर विधायक बाबू जंडेल का मोबाइल नंबर हैक कर लिया गया है। हैकर्स ने उनके नंबर का दुरुपयोग करते हुए परिचितों और समर्थकों को 60 हजार रुपए की आर्थिक मदद मांगने वाले फर्जी मैसेज भेजे। घटना का खुलासा तब हुआ जब कई लोगों ने मैसेज की पुष्टि के लिए विधायक से संपर्क किया। विधायक बाबू जंडेल ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने किसी से पैसे नहीं मांगे हैं। उनके नंबर से भेजे गए सभी मैसेज फर्जी हैं। उन्होंने आम लोगों, समर्थकों और परिचितों से अपील की है कि यदि उनके नंबर से पैसे मांगने वाली कोई कॉल या मैसेज आता है, तो उस पर भरोसा न करें और किसी भी खाते में पैसे ट्रांसफर न करें। उन्होंने साइबर अपराधियों की ओर से अपनाए जा रहे नए तरीकों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधायक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

विधायक ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करा दी है। पुलिस ने मोबाइल हैक होने और फर्जी मैसेज भेजे जाने की जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। साइबर तकनीकी टीम की मदद से पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल नंबर कैसे हैक हुआ और इन फर्जी संदेशों को भेजने में कौन लोग शामिल हैं।

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर चिंता

घटना ने एक बार फिर साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल हैकिंग, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के नाम से पैसे मांगने वाला संदेश मिलने पर पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे संपर्क कर उसकी पुष्टि करें। बिना पुष्टि किए किसी भी खाते में पैसे जमा न करें और संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन को दें। हालांकि, श्योपुर पुलिस की ओर से इन दिनों सायबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाबजूद विधायक का मोबाइल हैक होना मामले कि गंभीरता को दर्शाता है।

संघ की बैठक इस बार बेलगावी में

- मौजूदा हालात को लेकर बनेगी कार्ययोजना, देशभर के वरिष्ठजन शामिल होंगे

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण बैठक इस बार कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित की जा रही है। बैठक में सभी प्रांतों के प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक एवं क्षेत्र प्रचारक तथा सह क्षेत्र प्रचारक भाग लेंगे। संघ की संगठन रचना के कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांतों से यह कार्यकर्ता अपेक्षित रहते हैं। इस बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे। पूरे देश में अप्रैल, मई एवं जून माह में संघ के विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण वर्ग पूर्ण हुए हैं। बैठक में संघ शाखाओं के स्तर पर कार्ययोजना के क्रियान्वयन की दृष्टि से विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही शाखा कार्य विस्तार की समीक्षा भी होगी। इसमें आगामी प्रशिक्षण वर्गों का वृत्तांत एवं समीक्षा, शताब्दी वर्ष के निमित्त संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा तथा निर्धारित शेष कार्यक्रमों की योजना, सरसंघचालक की वर्ष 2026-27 की प्रवास योजना जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। संघ शताब्दी वर्ष के शेष कार्यक्रम आगामी दशहरे यानी 20 अक्टूबर 2026 तक चलेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी. आर. मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख एवं कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेंगे।

भाजपा सरकार ने प्रदेश के बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेला- जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में भाजपा सरकार ने शिक्षा को प्राथमिकता देने के बजाय भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी को बढ़ावा दिया है। आज प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि स्वयं मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा है और केंद्र व राज्य सरकार से जवाब तलब करना पड़ा है।

पटवारी ने कहा कि हाई कोर्ट में प्रस्तुत तथ्यों ने भाजपा सरकार के शिक्षा मॉडल की वास्तविकता उजागर कर दी है। प्रदेश में स्वीकृत 2 लाख 89 हजार शिक्षक पदों में से 1 लाख 15 हजार 678 पद रिक्त हैं, अर्थात लगभग 40 प्रतिशत शिक्षक पद खाली पड़े हैं। सबसे शर्मनाक स्थिति यह है कि 1,895 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं है। आखिर बिना शिक्षक के बच्चों का भविष्य कैसे बनाया जाएगा? उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकारी स्कूलों से 22 लाख 3 हजार विद्यार्थी कम हो गए हैं। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था से जनता के टूटते विश्वास का प्रमाण है। जब सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रहती है, शिक्षकों की भर्ती नहीं करती और स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराती, तो स्वाभाविक रूप से अभिभावक सरकारी स्कूलों से दूरी बनाने लगते हैं।

पटवारी ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। 5,000 स्कूलों के भवन जर्जर हैं, 3,400 स्कूलों में शौचालय नहीं हैं, 10 हजार स्कूलों में बिजली की सुविधा नहीं है, 40 हजार स्कूलों में बाउंड्रीवाल नहीं है और 59 हजार स्कूलों में कंप्यूटर तक उपलब्ध नहीं हैं। हजारों स्कूलों में शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा का भी अभाव है। यह स्थिति बताती है कि भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ दिया है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज में डुबो दिया, लेकिन शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, नए स्कूल बनाने, शिक्षकों की भर्ती करने और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। यदि सरकार के पास कर्ज लेने के लिए संसाधन थे, तो प्रदेश के बच्चों का भविष्य संवारने के लिए इच्छाशक्ति क्यों नहीं थी? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जनवरी 2026 में उच्चतम न्यायालय द्वारा छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड तथा सभी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाने के बावजूद सरकार इनका पालन सुनिश्चित नहीं कर सकी। इससे स्पष्ट है कि भाजपा सरकार बच्चों की शिक्षा और उनकी गरिमा, दोनों के प्रति असंवेदनशील है।

पटवारी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 45 तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है, लेकिन भाजपा सरकार इस दायित्व को निभाने में पूरी तरह विफल रही है। यही कारण है कि आज हाई कोर्ट को सरकार से जवाब मांगना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तत्काल सभी 1,15,678 रिक्त शिक्षक पदों पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करे, शिक्षकविहीन 1,895 स्कूलों में तत्काल शिक्षकों की नियुक्ति करे, जर्जर स्कूल भवनों का पुनर्निर्माण कराए, सभी स्कूलों में बिजली, शौचालय, पेयजल, कंप्यूटर एवं बाउंड्रीवाल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए तथा सरकारी शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना सार्वजनिक करे। अंत में जीतू पटवारी ने कहा कि बच्चों का भविष्य किसी भी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश के भविष्य को भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और लापरवाही की भेंट चढ़ा दिया है। प्रदेश की जनता इसका जवाब अवश्य देगी।

30 सितंबर तक नदियों से रेत उत्खनन पर रोक

भोपाल। प्रदेश सरकार ने मानसून को देखते हुए 30 सितंबर तक नदियों से रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस अवधि में किसी भी नदी से रेत खनन या उत्खनन किए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेत की उपलब्धता बनाए रखने के लिए विभाग ने पहले ही लाइसेंसधारकों को भंडारण की अनुमति दे दी थी, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित न हों। सामान्यतः यह प्रतिबंध 15 जून से लागू होता है, लेकिन इस वर्ष मानसून में देरी के कारण इसे 1 जुलाई से प्रभावी किया गया है।

सिर्फ रिटायर्ड आईएएस तक सीमित न रहे रेरा की चयन प्रक्रिया

रेरा चेयरमैन नियुक्ति पर हाईकोर्ट की सख्ती, आवेदन के लिए जारी करें विज्ञापन

भोपाल। मध्य प्रदेश रियल एस्टेट रेग्यूलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को चयन प्रक्रिया नए सिरे से अपनाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि रेरा अध्यक्ष के पद के लिए केवल सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों तक चयन प्रक्रिया सीमित नहीं की जा सकती और सभी पात्र उम्मीदवारों को आवेदन का अवसर मिलना चाहिए।

हाईकोर्ट ने नियुक्ति संबंधी फाइल विभाग को लौटाते हुए कहा कि रेरा अधिनियम में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि अध्यक्ष का पद केवल रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को ही दिया जाएगा। अदालत ने निर्देश दिया कि मीडिया में सार्वजनिक विज्ञापन जारी कर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाएं। इसके बाद ही चयन समिति की बैठक आयोजित कर नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। अदालत के निर्देश के बाद अब पूरी प्रक्रिया में एक से दो माह का अतिरिक्त समय लग सकता है। नगरीय विकास विभाग जल्द ही विज्ञापन जारी करेगा। इससे पहले विभाग ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लगभग डेढ़ दर्जन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजा था।

वहीं, रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण (रीट) के अध्यक्ष की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट ने तीन सेवानिवृत्त हाईकोर्ट न्यायाधीशों का पैनल राज्य सरकार को भेज दिया है, जिनमें से एक को अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही न्यायिक और प्रशासनिक/तकनीकी सदस्य की नियुक्ति भी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रेरा अध्यक्ष का पद अप्रैल से रिक्त है, जिससे प्राधिकरण का कामकाज प्रभावित हो रहा है। प्रशासनिक सदस्य एस.एस. राजपूत के सेवानिवृत्त होने के बाद वर्तमान में केवल एक न्यायिक सदस्य के भरोसे रेरा की कार्यवाही संचालित की जा रही है।

मतदान सूची के कर्मचारियों का बढ़ा मानदेय

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और संबंधित चुनावी कार्यों में लगे मैदानी कर्मचारियों के लिए बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। सरकार ने बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर्स को मिलने वाले प्रतिवर्ष मानदेय में बढ़ोत्तरी कर दी है।

चुनाव से जुड़े इन जमीनी कर्मचारियों के काम को देखते हुए उनके मानदेय को सीधे तौर पर अपग्रेड किया गया है। अब तक मतदान केंद्र अधिकारी को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये मानदेय दिया जाता था, जिसे अब सीधे दोगुना बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी तरह, बीएलओ सुपरवाइजर का सालाना मानदेय भी 12 हजार रुपये से बढ़ाकर अब 18 हजार रुपये कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मानदेय वृद्धि का यह अहम आदेश 1 अप्रैल से प्रभावशाली माना जाएगा, जिससे कर्मचारियों को चालू वित्त वर्ष से ही इस बढ़ी हुई राशि का लाभ मिलेगा। इस मानदेय राशि का वित्तीय भार केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर आधा-आधा वहन करेंगी। सरकार के इस फैसले से प्रदेश भर के हजारों बीएलओ और सुपरवाइजर्स में खुशी की लहर है।

मप्र में बढ़ेंगे आईपीएस के 20 नए पद

भोपाल। प्रदेश पुलिस में आईपीएस के 20 पद बढ़ सकते हैं। राज्य शासन की तरफ से वर्ष 2027 में कैडर रिव्यू के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। हर पांच वर्ष में कैडर रिव्यू किया जाना चाहिए लेकिन मध्य प्रदेश बीच-बीच में अंतराल आ जाने के कारण पांच वर्ष पीछे हो गया है। यानी, नियमित तौर पर रिव्यू होता तो एक और हो जाता, जिसमें 15 से 20 पद बढ़ जाते। बता दें, प्रदेश में आईपीएस संवर्ग के 319 पद हैं।

गृह विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1998 में काडर रिव्यू हुआ। पांच वर्ष के अंतराल में 2003 में हुआ। इसके बाद 2008 में होना चाहिए था, पर वर्ष 2010 में हुआ। इसके बाद वर्ष 2015 में हो पाया। इसके बाद 2020 में होना चाहिए था, पर 2022 में किया गया। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति, नए जिले, नई पुलिस इकाइयों के आधार पर आईपीएस अधिकारियों के पद बढ़ाने का प्रविधान है। जितने पद बढ़ते हैं उनमें निर्धारित फॉर्मूला के अनुसार करीब 25 प्रतिशत में राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) से पदोन्नत होने वाले अधिकारियों को लाभ मिलता है। यही वजह है कि नियमित काडर रिव्यू के लिए एसपीएस अधिकारी अधिक परेशान रहते हैं। पद नहीं होने से कुछ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद से ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं। इसमें एक विसंगति यह भी है कि एसपीएस अधिकारियों के कुछ बैच बहुत बड़े हैं, जिससे उनकी पदोन्नति में देरी होती है।

दतिया उपचुनाव की तारीख का ऐलान

30 जुलाई को दतिया विधानसभा उपचुनाव, 3 अगस्त को नतीजे

भोपाल। चुनाव आयोग ने दतिया विधानसभा उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। इसके लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उपचुनाव की अधिसूचना 6 जुलाई को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई, नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई तथा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 16 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके बाद 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को मतगणना की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया 4 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी।

निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार अब दतिया विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। मतदान सभी केंद्रों पर ईवीएम और वीवीपैट के माध्यम से कराया जाएगा।

विधायक राजेन्द्र भारती की सदस्यता खत्म हुई थी

दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव इसलिए हो रहे हैं क्योंकि कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती को दो वर्ष से अधिक की सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता स्वतः समाप्त हो गई। इसके बाद मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने सीट खाली घोषित कर दी। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस बनाम भारत संघ फैसले, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 और संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) के तहत की गई।

बैंक एफडी से जुड़े कथित फर्जीवाड़े का मामला

साल 1998 में दतिया सहकारी ग्रामीण विकास बैंक में एक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से जुड़े कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया। आरोप था कि बैंक रिकॉर्ड में हेरफेर कर एफडी की अवधि 3 वर्ष से बढ़ाकर 15 वर्ष कर दी गई। इसके आधार पर 1विनोद उपाध्याय / 02 जुलाई, 2026 से 2011 के बीच ब्याज की राशि निकाली जाती रही। उस समय राजेन्द्र भारती बैंक के अध्यक्ष और संबंधित संस्था के ट्रस्टी भी थे। बाद में मामले की जांच हुई और आरोपपत्र दायर किया गया।

1 अप्रैल को कोर्ट ने राजेन्द्र भारती को दोषी ठहराया

1 अप्रैल 2026 को दिल्ली की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने 28 साल पुराने बैंक धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में राजेन्द्र भारती को दोषी ठहराया। दोषसिद्धि के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। 2 अप्रैल 2026 को अदालत ने उन्हें 3 वर्ष के कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। साथ ही उच्च न्यायालय में अपील करने के लिए सजा के क्रियान्वयन पर 60 दिन की मोहलत दी, लेकिन उनकी दोषसिद्धि बरकरार रही। इसी दिन मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर 2 अप्रैल 2026 से प्रभावी उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी। साथ ही दतिया विधानसभा सीट रिक्त घोषित कर इसकी सूचना निर्वाचन आयोग को भेज दी गई।

विधानसभा ने तुरंत सीट रिक्त क्यों घोषित की?

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के अनुसार किसी विधायक को दो वर्ष या उससे अधिक की सजा होने पर वह अयोग्य हो जाता है। 2013 में सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस फैसले के बाद ऐसी स्थिति में सदस्यता तुरंत समाप्त हो जाती है।

दतिया का चुनाव कराने में जल्दबाजी में है आयोग

भोपाल । निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर भी 30 जुलाई को मतदान होगा, जबकि मतगणना 3 अगस्त को कराई जाएगी। उपचुनाव की घोषणा के साथ ही प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस की जीत का दावा किया है।

उमंग सिंघार ने कहा कि दतिया उपचुनाव ऐसे समय कराया जा रहा है, जबकि भाजपा विधायक निर्मला सप्रे के मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दतिया में चुनाव कराने को लेकर निर्वाचन आयोग जल्दबाजी कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराया था। उस चुनाव से जुड़े मामलों में भी आयोग ने लंबे समय तक निर्णय लंबित रखा। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी और दतिया सीट दोबारा जीतेगी। मैं वहां के कार्यकर्ताओं और जनता से कहना चाहता हूं कि तैयार हो जाइए, यह चुनाव हमें जीतना है।

सदस्यता समाप्त होने से रिक्त हुई सीट

दतिया विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के बाद रिक्त हुई थी। आर्थिक अनियमितता से जुड़े एक मामले में अदालत ने उन्हें तीन वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। हालांकि उन्होंने इस फैसले को न्यायालय में चुनौती दी है, लेकिन अब तक उन्हें कोई राहत नहीं मिली है।

हेमंत खंडेलवाल के सफल नेतृत्व का 1 साल पूरा

भोपाल। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। इस विशेष अवसर पर सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया और अधिकारिक बयान जारी कर उन्हें हार्दिक बधाई दी है और उनके कुशल नेतृत्व की जमकर सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा- भाजपा के माननीय प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को यशस्वी कार्यकाल का प्रथम वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी सादगी, संगठन निष्ठा और कार्य कुशलता कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है। कार्यकर्ताओं के प्रति आपका आत्मीय भाव भी सराहनीय है। आपके नेतृत्व में विगत एक वर्ष में संगठन ने नए आयाम स्थापित किए हैं और विचारधारा को और मजबूती मिली है।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड

ऑकलैंड। न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीय टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे।

वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे।

एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही - शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुंए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें - इडुल्जी

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए, लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने वास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

श्रीसंत केसीएल में एरीज कोल्लम सेलर्स के सहमालिक बने रहेंगे

तिरुवनंतपुरम। पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत को बड़ी राहत मिली है। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने उनपर लगाये हुए प्रतिबंध को हटा दिया है। इससे अब श्रीसंत केरल क्रिकेट लीगी (केसीएल) के तीसरे सत्र में एरीज कोल्लम सेलर्स फ्रैंचाइजी के सह-मालिक बने रहेंगे। वहीं पिछले सत्र में प्रतिबंध के कारण उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था। श्रीसंत ने इससे पहले केसीए को लेकर की गयी विवादास्पद टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी। जिसके बाद उनपर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया। इससे अब उनके लिए खेल से जुड़े रहने का रास्ता खुल गया है।

केसीए ने अपने एक बयान में कहा, संघ की विशेष आम बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि श्रीसंत पर प्रतिबंध हटा दिय जाये क्योंकि उन्होंने अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताय है। यह प्रतिबंध पिछले केसीएल के मुकाबलों के ठीक पहले केसीए ने राहत के साथ ही उन्हें आगाह भी किया है। संघ ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी तरह के ऐसे व्यवहार पर श्रीसंत के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिससे यह तया हो सके कि वह अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

गौरतलब है कि श्रीसंत भारतीय क्रिकेट टीम के एक जाने-माने पूर्व तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने देश के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 37.59 की औसत से 87 विकेट अपने नाम किए। टेस्ट

क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक पारी में 40 रन देकर 5 विकेट और एक मैच में 99 रन देकर 8 विकेट रहा है। उन्होंने चार बार एक पारी में 4 विकेट और तीन बार 5 विकेट लेने का कारनामा भी किया है, जो उनकी क्षमता का प्रमाण है।

वहीं एकदिवसीय मैचों में, श्रीसंत ने 53 मुकाबले खेले और 33.44 की औसत से 75 विकेट झटके। इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 55 रन देकर 6 विकेट रहा। वहीं, उन्होंने 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 7 विकेट हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने भारत के लिए कई यादगार प्रदर्शन किए हैं।धरेलू क्रिकेट की बात करें तो श्रीसंत का प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 74 फर्स्ट-क्लास मैचों में 213 विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 40 रन देकर 5 विकेट रहा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 92 लिस्ट-ए मैचों में 124 विकेट और 65 टी20 मैचों में 54 विकेट अपने नाम किए हैं।

वैभव से पहले सचिन को भी डेब्यू के लिए करना पड़ा था इंतजार

मुम्बई । भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी खेलने का अवसर नहीं मिल रहा और वह बेंच पर ही बैठे हुए हैं। वैभव को इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में भी अवसर नहीं दिये गया था और अब तक वह बैंच पर बैठकर और ड्रिंक्स लेकर ही मैदान पर जाते दिख रहे हैं। इस प्रकार का इंतजार नया नहीं है। इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी डेब्यू से पहले अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा था।

आज प्रशंसक वैभव के शानदार फॉर्म के बावजूद उन्हें डेब्यू न कराए जाने पर सवाल उठा रहे हैं, मगर ये पहली बार नहीं हो रहा। सचिन को भी ऐसे ही दिनों का सामना करना पड़ा था, जब चयन के बावजूद उन्हें साल भर तक अवसर नहीं मिला था। 80 का दशक समाप्त होते-होते सचिन का नाम उभरने लगा था। स्कूल क्रिकेट में धूम मचाने के बाद चारों ओर उनकी ही चर्चा थी कि मुंबई के शिवाजी पार्क से निकला एक छोटा सा बच्चा मैदान पर छाया हुआ है। अखबार सचिन की तस्वीरों से भरे पड़े थे। केवल 14 साल की उम्र में सचिन को 1987/88 के घरेलू सीजन के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया। उस दौर में मुंबई क्रिकेट में आना भारतीय टीम में आने से भी ज्यादा कठिन माना जाता था।

इंग्लैंड दूसरे घर जैसा लगता है - पुजारा

लंदन । टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा का कहना है कि इंग्लैंड उन्हें हमेशा से ही दूसरे घर जैसा लगता है। पुजारा को हाल ही में क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स स्थित प्रतिष्ठित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से भी सम्मानित किया गया था। पुजारा के लिए यह मानद सदस्यता उनके शानदार करियर की एक महत्वपूर्ण पहचान है। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, मैंने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में काफी खेला है, इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए एमसीसी का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है। पुजारा ने भारत के बाद अपने जीवन का सबसे अधिक समय इंग्लैंड में ही बिताया है, जहां वे विभिन्न काउंटी टीमों के लिए कई सत्रों तक खेल चुके हैं। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने का अनुभव भी उनके पास है, जिसने इस देश से उनका

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेढ़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये।

जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्सड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमता का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की। वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे।

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर

सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से होगा। पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के लिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली।वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है। , सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ट खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

प्रॉपर्टी फॉर सेल

किफायती मूल्य में संपत्ति खरीदने का सुअवसर

युक्तियुक्तकरण योजनान्तर्गत

वैनगंगा कॉलोनी सिकंदरा वारासिवनी में

भवन ऑफर के माध्यम से खरीदने का सुनहरा अवसर (यथास्थिति में)

(योजना RERA में पंजीकृत, RERA पंजीयन क्रं. P-WRS-17-769)

ई-ऑफर 10.08.2026 तक आमंत्रित

युक्तियुक्तकरण योजनान्तर्गत

उपलब्ध संपत्ति का स्थल	संपत्ति का विवरण	उपलब्ध भवन की संख्या	भवन क्रमांक	भूखण्ड का क्षेत्रफल (व.मी.)	भवन का कुर्सी क्षेत्रफल (व.मी.)	भवन का अपसेट मूल्य (रु. लाख)	धरोहर राशि (रु. लाख)	आवेदन शुल्क (रुपये/ जी.एस. टी.सहित)
वैनगंगा कॉलोनी सिकंदरा वारासिवनी जिला बालाघाट	एल.आई.जी. भवन	01	04	88.80	46.80	9.63	1.93	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	32	3, 4, 5, 6, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 17, 18, 21, 24, 28, 31, 32, 33, 34, 37, 56 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 78, 88, 89	40.00	26.05	4.89	0.98	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	05	08, 13, 14, 19, 77	41.00	26.05	5.02	1.00	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	02	20, 80	50.00	26.05	5.37	1.08	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	01	26	49.00	26.05	5.50	1.10	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	16	45, 46, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 83, 84, 85, 90, 93, 95	40.00	26.05	5.06	1.01	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	01	65	56.00	26.05	5.83	1.17	590/-
	ई.डब्ल्यू. एस. भवन	02	66, 76	41.00	26.05	5.26	1.05	590/-

नोट :- उक्त ऑफर मूल्य के अतिरिक्त मण्डल/शासन नियमानुसार लीजरेंट एवं अन्य कर पृथक से देय होंगे। भवन का विक्रय यथास्थिति में किया जा रहा है। अत: ऑफर प्रस्तुत करने से पूर्व संपत्ति का अवलोकन कर लें। स्वयं के कारणों से ऑफर निरस्त कर राशि वापिस मांगने पर धरोहर राशि का 50 प्रतिशत कटौत्रा कर शेष राशि वापिस की जावेगी। शासन/मण्डल द्वारा निर्धारित अन्य कर, शुल्क, प्रभार एवं लीजरेंट इत्यादि पृथक से देय होंगे। मण्डल के नियमानुसार फ्री होल्ड की सुविधा रहेगी।

● आवेदन एवं धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 10.08.2026 ● ऑफर BID डालने की अंतिम तिथि 11.08.2026 शाम 5:30 बजे तक ● ऑफर दिनांक 12.08.2026 को सुबह 11:00 बजे खोला जावेगा

संपर्क	जे.एस. देशमुख (सहायक यंत्री) मो. 7000139321	दिनेश हेड़ाऊ (संपदा प्रबंधक) मो. 9993057357	जागीर क्षत्रिय (उपयंत्री) मो. 9981205402	भारती भारद्वाज (सहायक) मो. 9516648996	MP On line Help Line 0755-6720200	Visit us : www.mphousing.in

ऑनलाइन भुगतान में असुविधा होने पर Whatsapp Helpdesk Number 7974264023

पंजीकृत आवंटी अब अपनी समस्त देय राशि का भुगतान मंडल के मोबाइल एप (MPHIDB_GEO जो Google Play Store पर उपलब्ध है) के माध्यम से भी कर सकते हैं। दिये गये QR-Code को स्कैन कर भी एप डाउनलोड कर सकते हैं।

Follow us on mphidb / mphidb

Visit us : www.mphousing.in

म.प्र. माध्यम/126655/2026

कार्यालय संयुक्त संचालक (कौशल विकास),
क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट (म.प्र.)
आईटीआई कैम्पस, बुढ़ी बालाघाट (म.प्र.) 481001
E-mail Id – jdbalaghat@gmail Mob. No. 9144682558

बालाघाट क्षेत्र (जिला–बालाघाट, सिवनी एवं मण्डला) की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में मेहमान प्रवक्ता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने बाबत

//विज्ञप्ति//

वेबसाइट http://www.mpskills.gov.in/

क्रमांक/संसंचा/क्षेकाब/स्थाप./मेह.प्रव.वि./2026/ 510 /बालाघाट, दिनांक: 28.06.2026

म.प्र.शासन तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अंतर्गत् बालाघाट क्षेत्र में स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (ITI) में विभिन्न व्यवसायों में रिक्त प्रशिक्षण अधिकारियों के पद के विरूद्ध मेहमान प्रवक्ता को आमंत्रित किया जाना है। आवेदकों से आवेदन पत्र वेबसाइट www.mpskills.gov.in पर दिनांक 01.07.2026 से 15.07.2026 तक स्वीकार किये जावेंगे। आमंत्रित किये जाने वाले मेहमान प्रवक्ताओं के लिए शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता:– संबंधित ट्रेड ब्रांच में ITI /डिप्लोमा अथवा डिग्री होना चाहिए। न्यूनतम आयुसीमा 18 वर्ष अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष होगी।

आवेदक को मध्यप्रदेश का मूलनिवासी होना अनिवार्य है। म0प्र0 शासन तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्रालय आदेश क्रमांक एफ–02–02/2022/42–2 भोपाल दिनांक 22.04.202, क.422/421/2019/42–2 दिनांक 21.02.2023 एवं आदेश कमांक एफ–02–02–2022/42–2 दिनांक 05.10.2023 एवं कमांक एफ–02–02–2022/42–2 दिनांक 10.11.2023 के अनुसार ट्रेड एवं गणित ड्राइंग के पद हेतु अधिकतम मानदेय 20000.00 रूपए प्रतिमाह देय होगा।

आमंत्रण शैक्षणिक सत्र समाप्ति तक अधिकतम 11 माह अथवा सत्र समाप्ति तक अथवा नियमित पद स्थापना/स्थानांतरण अथवा अन्य शासकीय कारणों से पद भरे जाने तक जो भी पहले हो, तक होगा। आवेदन पत्र एवं अनुभव शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता व्यवसायों के नाम एवं रिक्त स्थानों की विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.mpskills.gov.in से प्राप्त की जा सकती है ।

जी-15100/26

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

संयुक्त संचालक (कौ.वि.),
क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट (म.प्र.)

परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने राघोटोला कैंप आगजनी का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज़। लामता। किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना के राघोटोला कैंप में आगजनी एवं तोड़फोड़ की गंभीर घटना सामने आई है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक आकलन में लगभग 10 करोड़ रुपये के नुकसान की बात कही गई है।

जानकारी के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वीकृत इस माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए 146 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जबकि इसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 175 करोड़ रुपये बताई जा रही है। परियोजना के माध्यम से लगभग 55 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जानी है। परियोजना का कार्य अंतिम चरण में चल रहा था।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, 1 जुलाई को दोपहर लगभग 11 से 12 बजे के बीच कुछ लोग राघोटोला स्थित परियोजना कैंप पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा कैंप में रखी मशीनों, पाइपों एवं अन्य निर्माण सामग्री में आग लगा दी। सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट तथा उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। आगजनी में कैंप में रखी महंगी मशीनें, पाइप एवं अन्य सामग्री जलकर राख हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही लामता पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की विवेचना प्रारंभ की।

भारी बारिश के बीच विधायक ने किया निरीक्षण

घटना की जानकारी मिलने पर 2 जुलाई को परसवाड़ा विधायक मधु भगत भारी बारिश के बीच घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से पूरी घटना की जानकारी ली तथा आगजनी से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। विधायक ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजना को नुकसान पहुंचाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता उदयसिंह परते, कार्यपालन यंत्री घनश्याम मड़ावी, अनुविभागीय अधिकारी शिवराम अहिरवार, प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक बिरतिया तथा लामता पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के ग्रामीणों एवं किसानों ने घटना की घोर निंदा करते हुए शासन-प्रशासन एवं क्षेत्रीय विधायक से दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सुरक्षा गार्ड का आरोप

सुरक्षा गार्ड अतुल बघेल ने बताया कि 1 जुलाई को कुछ लोग कैंप पहुंचे और प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ गाली-गलौज करने लगे। उनके अनुसार, प्रोजेक्ट मैनेजर के वहां से चले जाने के बाद उनके साथ मारपीट की गई तथा उन पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास किया गया। इसके बाद कैंप में रखी मशीनों एवं अन्य सामग्री में आग लगा दी गई।

प्रोजेक्ट मैनेजर का पक्ष

प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक बिरतिया ने बताया कि कुछ लोग उनसे अवैध रूप से पैसों की मांग कर रहे थे। पैसे देने से मना करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसके बाद वे दो सुपरवाइजरों के साथ वहां से चले गए। बाद में सुरक्षा गार्ड से घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने थाना लामता पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026 के लिए तैयारियां शुरू, 1 से 25 जुलाई तक होंगे ऑनलाइन पंजीयन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश के विद्यालयीन विद्यार्थियों में पर्यटन, इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में पर्यटन बोर्ड ने सभी जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति एवं आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है।

प्रतियोगिता के लिए 1 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक विद्यालयों का ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा। इसमें प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय हाईस्कूल तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्यजीव, संस्कृति, लोककला एवं प्राकृतिक संपदा से परिचित कराना है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने प्रत्येक जिले में जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के अधिकारियों को नोडल एवं प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। ये अधिकारी विद्यालयों का पंजीयन, व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रतियोगिता का समन्वय तथा समय-सीमा में सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। पर्यटन बोर्ड के अनुसार गत वर्ष आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के 8,163 विद्यालयों के 24,489 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था। इस वर्ष अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों से निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन पंजीयन कराते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में शामिल कराने तथा पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग की अपील की है।

उत्कृष्ट विद्यालय बिरसा में साइबर जागरूकता अभियान आयोजित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस विभाग बालाघाट द्वारा जिलेभर में साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 2 जुलाई को बिरसा पुलिस द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (एक्सीलेंस) बिरसा में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा इंटरनेट और सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी फर्जी कॉल, मैसेज, सोशल मीडिया, ई-मेल, ऑनलाइन गेमिंग, डिजिटल पेमेंट और विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशनों के माध्यम से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहने और किसी भी अनजान व्यक्ति पर विश्वास न करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आरक्षक गजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी देते हुए ऑनलाइन ठगी से बचने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक खाता नंबर, एटीएम कार्ड का विवरण, सीवीवी, यूपीआई पिन अथवा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध मोबाइल एप्प डाउनलोड करने या सोशल मीडिया पर आने वाले आकर्षक ऑफर एवं लॉटरी के झांसे में आने से बचें।

उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि यदि किसी के साथ साइबर ठगी हो जाती है, तो घबराने के बजाय तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर आर्थिक नुकसान को रोका जा सके। कार्यक्रम में उप निरीक्षक शिवलाल परते ने विद्यार्थियों से कहा कि वे सोशल मीडिया का उपयोग सोच-समझकर करें, अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक न करें तथा किसी भी फर्जी आईडी, संदिग्ध संदेश या ऑनलाइन ब्लैकमेल जैसी गतिविधियों की जानकारी तुरंत अपने अभिभावकों और पुलिस को दें। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार एवं समाज के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से उत्तर दिया। साथ ही उन्हें डिजिटल सुरक्षा से संबंधित आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर उप निरीक्षक शिवलाल परते, आरक्षक गजेंद्र यादव, एसएसयू टीम, सोनम, करुणा भारती पटले, दीक्षा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर अपराधों से बचाव के लिए सदैव सतर्क रहने तथा अपने परिवार और समाज में भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। पुलिस विभाग ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा सके।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपीटास पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एमपीटास (स्कॉलर्स) पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 31 जुलाई 2026 कर दी है।

सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री राहुल नायक ने बताया कि पूर्व में ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित थी, लेकिन विभाग द्वारा जारी संशोधित निर्देशों के अनुसार पात्र विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे बढ़ा दिया गया है।

जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग ने जिले के सभी पात्र छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना आवश्यक दस्तावेजों के साथ एमपीटास पोर्टल पर समय-सीमा के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में प्राप्त आवेदनों पर ही नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रकरणों की आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वन अधिकार अधिनियम के लंबित दावों के समयबद्ध निराकरण के लिए जिले में विशेष अभियान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वर्षों से लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) दावों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण के लिए जिला प्रशासन ने विशेष अभियान प्रारंभ किया है। कलेक्टर मृणाल मीना ने उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल के वनमंडल अधिकारियों तथा सभी संबंधित उपखंड स्तरीय समितियों को चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर लंबित दावों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों से नए दावे प्राप्त करने और उनका नियमानुसार निराकरण करने के लिए भी कहा गया है।

वर्तमान में जिले में 1,596 व्यक्तिगत वन अधिकार दावे एमपीएफआर पोर्टल पर निराकरण के लिए लंबित हैं। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण किया जाए। इसके साथ ही सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) से जुड़े दावों का भी गंभीरता से निराकरण सुनिश्चित करने कहा गया है, ताकि वन आश्रित समुदायों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर प्राप्त हो सकें।

कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टों एवं सामुदायिक वन संसाधन पट्टों की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि अभियान के दौरान आवश्यकता के अनुसार ग्राम स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों की सूचना संबंधित दावेदारों को पूर्व में ही उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही उपस्थित होकर अपने

दावों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। शिविरों में राजस्व, वन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी संयुक्त रूप से ग्रामीणों के साथ चर्चा करेंगे, दस्तावेजों का परीक्षण करेंगे तथा आवश्यकतानुसार स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार दावों का निराकरण करेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बन सकेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल लंबित प्रकरणों का निराकरण करना ही नहीं है, बल्कि ऐसे सभी पात्र वनवासी परिवारों तक वन अधिकार अधिनियम का लाभ पहुंचाना भी है, जो अब तक किसी कारणवश इससे वंचित रह गए हैं। अभियान के माध्यम से नए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनके दावे भी प्राप्त किए जाएंगे।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि इसी अभियान के तहत 02 जुलाई 2026 को परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम चिनी में सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) दावा तैयार करने के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में संबंधित समिति के सदस्यों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को वन अधिकार अधिनियम की जानकारी दी गई तथा पात्र दावेदारों के आवेदन तैयार कराने, आवश्यक अभिलेख संकलित करने एवं दावा प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही प्राप्त प्रकरणों के त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई भी प्रारंभ की गई। 02 जुलाई को ग्राम बारिया-नरवारी टोला में वन पट्टाधारी हितग्राहियों का सर्वे किया गया है।

इस विशेष अभियान के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लंबित दावों के शीघ्र निराकरण के साथ-साथ पात्र वनवासियों एवं ग्राम समुदायों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर प्राप्त होंगे। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की आजीविका सुदृढ़ होगी, सामुदायिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित होगा तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा।

जाम टोला में पड़ोसी ने किया बुजुर्ग महिला पर लाठी से हमला

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मलाजखंड थानांतर्गत ग्राम कंदई के जाम टोला में नाती को बुलाने जा रही 61 वर्षीय वृद्धा पर पड़ोसी ने लाठी से हमला कर दिया। घायल वृद्धा सतन बाई पति छब्बू मेरावी का इलाज बिरसा अस्पताल में कराया गया। पुलिस ने आरोपी कुंवर सिंह मेरावी के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सतन बाई घरेलू काम करती हैं। 1 जुलाई की शाम सतन बाई का नाती मिथिलेश मेरावी पड़ोस में बैठने चला गया था। सतन बाई उसे बुलाने के लिए घर से निकलीं जैसे ही वे पड़ोसी कुंवर सिंह मेरावी के घर के सामने पहुंचीं कुंवर सिंह ने उन्हें रोककर पूछा कि कहां जा रही हो। इसके बाद वह अश्लील गालियां देने लगा। सतन बाई ने विरोध किया तो कुंवर सिंह ने हाथ में रखे लकड़ी के डंडे से उन पर हमला कर दिया।

शोर सुनकर नाती मिथिलेश मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव कर झगड़ा छुड़ाया। इसके बाद कुंवर सिंह ने सतन बाई को घर के सामने से गुजरने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

घायल अवस्था में सतन बाई नाती मिथिलेश के साथ मलाजखंड थाने पहुंचीं। पुलिस ने पहले सतन बाई का अस्पताल में इलाज कराया। इसके बाद उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर आरोपी कुंवर सिंह मेरावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।मलाजखंड पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने कृषि विभाग सक्रिय, किसान को मिला भीमा किस्म का उन्नत अरहर बीज

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में दलहन उत्पादन बढ़ाने एवं किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा दलहन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में 01 जुलाई को विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत चमरवाही के ग्राम बीजापुरी के किसान लेखराम चौधरी को कृषि विभाग द्वारा अरहर की भीमा किस्म का 5 किलोग्राम प्रमाणित बीज वितरित किया गया।

उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि शासन का उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज उपलब्ध कराकर दलहन फसलों का रकबा एवं उत्पादन बढ़ाना है। अरहर की भीमा किस्म अधिक उत्पादन क्षमता वाली, रोगों के प्रति अपेक्षाकृत सहनशील तथा क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल मानी जाती है। इसके उपयोग से

किसानों को बेहतर उपज एवं अधिक आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि दलहन फसलें न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि मिट्टी की उर्वराशक्ति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अरहर जैसी दलहनी फसलें वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर भूमि की उर्वरता बढ़ाती हैं, जिससे आगामी फसलों को भी लाभ मिलता है। इसके साथ ही दलहन फसलें पोषण सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें प्रोटीन की प्रचुर मात्रा होती है।

श्री मालवीय ने किसानों से अपील की कि वे कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीजों का उपयोग करें तथा वैज्ञानिक पद्धति से खेती अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा समय-समय पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अधिकाधिक क्षेत्र में दलहन फसलों की खेती करने का आग्रह किया है, ताकि उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर हो और किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके।

तहसीलदार के आदेश और खसरा नक्शा होने के बाद भी नहीं मिल रहा न्याय, पीड़ित ने प्रशासन पर कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज़। नांदी। ग्राम नांदी निवासी प्रभुकुमार भूरे ने आरोप लगाया है कि आबादी भूमि पर स्थित उनके प्लॉट का राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन किए जाने तथा तहसीलदार द्वारा मामले की जांचकर पीड़ित के पक्ष में आदेश पारित किए जाने के बावजूद आज तक उन्हें अपनी ही भूमि पर मकान निर्माण करने का अधिकार व्यवहारिक रूप से नहीं मिल सका है।

प्रभुकुमार भूरे का कहना है कि उनके पास संबंधित भूमि का खसरा,नक्शा, ड्रोन सर्वे रिकॉर्ड तथा तहसीलदार का आदेश उपलब्ध है। इन सभी दस्तावेजों के बावजूद निर्माण कार्य शुरू होते ही विवाद उत्पन्न किया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश दी। इसके बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी।

पीड़ित का आरोप है कि बाद में उनके प्लॉट पर झंडा एवं धार्मिक चित्र स्थापित कर दिए गए, जिसके कारण निर्माण कार्य पूरी तरह रुक गया। उनका कहना है कि कई दिन बीत जाने के बावजूद आज तक उक्त सामग्री नहीं हटाई गई और न ही उन्हें अपने प्लॉट पर शांतिपूर्वक निर्माण कार्य करने दिया जा रहा है।

यह है पूरा मामला।

पीडित प्रभुकुमार भूरे कटंगी क्षेत्र के ग्राम पंचायत नांदी के निवासी है इनका एक प्लॉट गांव में ही आबादी भूमि पर स्थित है जिन्होंने वर्ष 2017 में गांव के ही बाबूलाल गौतम के पास से खरीदा था तबसे लेकर अब तक पीड़ित का पंचायत के टैक्स रजिस्टर में नाम भी चलते आ रहा है एवं ड्रोन सर्वे के दौरान भी सारी प्रक्रिया प्रभुकुमार भूरे के नाम से ही पूर्ण की गई थी क्योंकि उक्त प्लॉट उन्हीं का था और पीड़ित का उक्त प्लॉट में अभी तक कब्जा भी था जिसके बाद इस वर्ष 2026 में प्रभुकुमार भूरे के द्वारा अपने ही प्लॉट में निर्माण कार्य किया जा रहा था तब पड़ोस की महिला के द्वारा दावा किया गया कि यह प्लॉट उस महिला का है और निर्माण कार्य रुकवा दिया गया जिसके बाद प्रभुकुमार भूरे के द्वारा उक्त मामले की

जांच के लिए तहसील न्यायालय में आवेदन पेश किया गया तहसीलदार तिरोड़ी के द्वारा जांच के लिए संबंधित पटवारी को स्थल पर भेजा गया एवं पंचनामा कार्यवाही की गई और तहसीलदार तिरोड़ी ने संपूर्ण जांच में पाया कि यह प्लॉट प्रभुकुमार भूरे के नाम से ही है और उन्हीं का है और तहसील न्यायालय से एक आदेश पारित किया गया आदेश मिलने के बाद पीड़ति के द्वारा पुन: निर्माण कार्य शुरू किया गया तो उक्त महिला विवाद की स्थिति उत्पन्न कर रही थी जिसके बाद पीड़ति ने पुलिस की मदद ली पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश दी परंतु विवाद संपन्न नहीं हुआ फिर उस महिला के द्वारा सामाजिक रूप से पीड़ति के प्लॉट में झंडा और धार्मिक फोटो लगा दी गई ओर निर्माण कार्य बंद करा दिया गया।

पीड़ति ने इस पूरे मामले को लेकर राजस्व अधिकारी कटंगी को एक आवेदन दिया जिसके बाद नायब तहसीलदार के द्वारा मौके पर आकर दूसरे पक्ष को समझाइश दी गई परंतु उनकी नहीं समझने पर राजस्व विभाग को वापस लौटना पड़ा.पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि पारित आदेश का पालन कराया जाए और उन्हें उनके प्लॉट पर शांतिपूर्वक निर्माण कार्य करने हेतु प्रशासनिक सहयोग तथा सुरक्षा प्रदान किया जाए।

प्रभुकुमार भूरे ने बताया कि उन्होंने तहसील, एसडीएम, पुलिस तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन कर भूमि की स्थिति स्पष्ट कर दी गई है और आदेश भी पारित हो चुका है, तब भी आदेश का प्रभावी पालन नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

पीड़ति ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पारित आदेश का तत्काल पालन कराया जाए, उनके प्लॉट से विवाद की स्थिति समाप्त कराई जाए तथा उन्हें अपने परिवार के लिए मकान निर्माण करने का वैधानिक अधिकार दिलाया जाए।

पीड़ित का कहना है कि यदि वैध दस्तावेज एवं सक्षम राजस्व अधिकारी के आदेश के बाद भी नागरिक को अपनी भूमि पर निर्माण का अधिकार प्राप्त नहीं होता है, तो आमजन का प्रशासनिक प्रक्रिया पर विश्वास प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

न्यूज गैलरी

दूसरी महिला लाने का विरोध करने पर पति ने पत्नी से की मारपीट
दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम माटे में घरेलू हिंसा का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने दूसरी महिला को घर लाने का विरोध करने पर अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित.महिला जियाबती वरकड़े 34 वर्ष की शिकायत पर बिरसा पुलिस ने आरोपी पति पोजेंद्र वरकड़े 36 वर्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जियाबती वरकडे खेती-किसानी करती हैं। उनके परिवार में पति पोजेंद्र वरकडे, सास ससुर और तीन बच्चे साथ रहते हैं। पोजेंद्र करीब एक महीने पहले मजदूरी के लिए बाहर गया था। 1 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे पोजेंद्र एक महिला को साथ लेकर घर पहुंचा और घर की छपरी में खड़ा हो गया। यह देखकर पत्नी जियाबती ने पूछा, इस महिला को साथ में क्यों लाए हो।

इतना सुनते ही पोजेंद्र आग बबूला हो गया। उसने जियाबती को अश्लील गालियां दीं और कहा, मैं इस महिला को अपनी मर्जी से लाया हूं। इसके बाद उसने पत्नी जियाबती के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी झगड़े की आवाज सुनकर सास डाखली बाई और देवर मोहित मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद भी पोजेंद्र नहीं रुका। उसने जियाबती को दोबारा इस महिला के बारे में पूछताछ करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में जियाबती को शरीर पर चोटें आईं थी। घटना के बाद वह अपने पिता के साथ बिरसा थाना पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई।बिरसा पुलिस ने पीड़ित महिला जियाबती का मेडिकल परीक्षण बिरसा के अस्पताल में करवाया। जियाबती की शिकायत पर आरोपी पति पोजेंद्र पिता साहब वरकडे 36 के खिलाफ अश्लील गालियां देना मारपीट करना और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नगर पालिका के बहुचर्चित डीजल मामले ने फिर पकड़ी रफ्तार, जबलपुर में दर्ज हुए शिकायतकर्ताओं के बयान

शिकायतकर्ताओं ने दस्तावेजी साक्ष्य किए प्रस्तुत, नपा. अध्यक्ष नहीं पहुंचीं, न्यायालय की सख्ती के बाद दोबारा तेज हुई जांच प्रक्रिया

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट में कुछ माह पूर्व सामने आए बहुचर्चित डीजल व्यय और प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। लंबे समय तक ठंडे बस्ते में पड़ा यह मामला अब न्यायालय की सख्ती और नगरीय प्रशासन संचालनालय की सक्रियता के बाद फिर से जांच के केंद्र में आ गया है। गुरुवार 2 जुलाई को जबलपुर स्थित नगरीय प्रशासन संचालनालय में शिकायतकर्ताओं, नगर पालिका अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए गए। हालांकि, इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर उपस्थित नहीं हुईं। बताया जा रहा है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से कुछ समय की मांग की है।

गौरतलब है कि नगर पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध भाजपा के ही कुछ पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने डीजल खर्च, प्रशासनिक निर्णयों और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विस्तृत शिकायत दर्ज कराई थी। मामला न्यायालय तक पहुंचा था, जहां से राज्य शासन को पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। न्यायालय के आदेश के बाद शासन ने जांच समिति का गठन किया, जिसमें बालाघाट के तत्कालीन ज्वाइंट कलेक्टर राहुल नायक सहित नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया था। प्रारंभिक दौर में इस मामले को लेकर नगर पालिका की राजनीति काफी गरमा गई थी। विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी मामले को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। जांच समिति को लगभग 90 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी, लेकिन निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद जांच आगे नहीं बढ़ सकी। शिकायतकर्ताओं के बयान तक दर्ज नहीं हुए और मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ता नजर आने लगा था ।

अवमानना याचिका के बाद बढ़ी प्रशासनिक हलचल

शिकायतकर्ता एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता केवल सोनेकर ने बीते दिनों बताया कि जब कई महीनों तक जांच में कोई प्रगति नहीं हुई तो उन्होंने पुनः न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय में अवमानना याचिका दायर कर यह प्रश्न उठाया गया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद जांच समय पर पूरी क्यों नहीं की गई। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर एक बार फिर हलचल तेज हुई और नगरीय प्रशासन संचालनालय, जबलपुर से संबंधित सभी पक्षों को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया।

शिकायतकर्ताओं ने पेश किए दस्तावेजी साक्ष्य

निर्धारित तिथि 2 जुलाई को भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता केवल सोनेकर, पार्षद सुधीर चिले, पार्षद प्रतिनिधि सौरभ जैन सहित अन्य शिकायतकर्ता जबलपुर पहुंचे। सभी ने अपने-अपने बयान दर्ज कराए तथा सूचना के अधिकार (आरटीआई) सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त दस्तावेजी साक्ष्य जांच अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। बताया गया कि शिकायतकर्ताओं ने केवल डीजल खर्च ही नहीं, बल्कि नगर पालिका में हुए अन्य वित्तीय एवं प्रशासनिक मामलों से जुड़े दस्तावेज भी जांच समिति को सौंपे। जांच के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन करने के लिए नगर पालिका बालाघाट से प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, वाचस्पति त्रिपाठी तथा सेवानिवृत्त हो चुके पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया भी जबलपुर पहुंचे। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का मिलान एवं सत्यापन किया।

नगर पालिका अध्यक्ष की अनुपस्थिति बनी चर्चा का विषय

सूत्रों के अनुसार जांच प्रक्रिया के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर को भी उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना था, लेकिन वे निर्धारित तिथि पर नहीं पहुंचीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से अतिरिक्त समय मांगा है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं और अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उनका बयान कब दर्ज होगा।

पार्षद सुधीर चिले ने कही यह बात

पार्षद सुधीर चिले ने बताया कि उन्होंने जांच अधिकारियों के समक्ष सभी दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका में कई ऐसे खर्च किए गए, जिनकी आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने डीजल व्यय के अलावा अन्य वित्तीय मामलों से जुड़े रिकॉर्ड भी जांच टीम को सौंपे हैं और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

एक बार फिर गर्माई नगर पालिका की राजनीति

जांच प्रक्रिया दोबारा शुरू होने के बाद नगर पालिका की राजनीति फिर गर्मा गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। शहर में भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर जांच में क्या तथ्य सामने आएंगे और क्या शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर कोई ठोस कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी अन्य विवादों की तरह लंबित रह जाएगा। फिलहाल, जबलपुर में शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद जांच ने नया मोड़ ले लिया है। अब नगर पालिका अध्यक्ष सहित अन्य संबंधित पक्षों के बयान और जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। यदि जांच में शिकायतों की पुष्टि होती है तो नगर पालिका प्रशासन में बड़ी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोविड सेंटर में डेढ़ लाख की चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग की भी भूमिका आई सामने

सरकारी कोविड सेंटर का ताला तोड़कर 28 ऑक्सीजन सिलेंडर, एसी और एलईडी टीवी की थी चोरी, कबाड़ी को महज 14 हजार रुपये में बेच दिए थे सिलेंडर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने सरकारी कोविड सेंटर में हुई करीब डेढ़ लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक नाबालिग की संलिप्तता भी सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सभी 28 ऑक्सीजन सिलेंडर, एक एयर कंडीशनर (एसी) और एक एलईडी टीवी बरामद कर लिया है। इस पूरे मामले का खुलासा नगर पुलिस

अधीक्षक मयंक तिवारी ने कोतवाली थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में किया। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि सीएमएचओ कार्यालय में फार्मासिस्ट ग्रेड-01 के पद पर पदस्थ विनोद कुमार कामड़े द्वारा 24 जून की दरमियानी रात डीमरटोला बूढ़ी स्थित शासकीय कोविड सेंटर में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया था कि अज्ञात चोरों ने कोविड सेंटर के पीछे लगे लोहे के गेट का ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और वहां रखे 28 बी-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर, हायर कंपनी का एक एसी तथा एक एलईडी टीवी चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये आंकी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कोतवाली पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस को कोविड सेंटर के कैमरों से सीमित जानकारी मिली, लेकिन आसपास सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरों से महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। इन्हीं सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। प्रेस वार्ता में नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी समीर अली ने अपने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर मोटरसाइकिल के माध्यम से कई बार आना-जाना कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी किए गए 28 ऑक्सीजन सिलेंडरों, जिनकी कीमत एक लाख रुपये से अधिक थी, उन्हें मरारी मोहल्ला निवासी कबाड़ी दामोदर प्रसाद पाठक को मात्र 14 हजार रुपये में बेच दिया गया। वहीं चोरी किया गया एसी और एलईडी टीवी आरोपी ने अपने पास ही छिपाकर रखा था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में समीर पिता शकील अली (25 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक-1, बालाघाट तथा दामोदर प्रसाद पिता परमानंद पाठक (54 वर्ष), निवासी मरारी मोहल्ला, बालाघाट को गिरफ्तार किया है। वहीं वारदात में शामिल नाबालिग बालक को भी विधि अनुसार निरुद्ध किया गया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि कोविड सेंटर में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी। परिसर में सीसीटीवी कैमरे तो लगे थे, लेकिन उनसे सीमित मदद मिली। हालांकि आसपास के कैमरों की फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी दामोदर पाठक के खिलाफ भी चोरी का सामान खरीदने एवं अपराध में सहयोग करने के आरोप में विधि अनुसार कार्रवाई की है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट